सत्यमेव जयते

पंजाब राजभवन

संकल्प

विशेष संस्करण

सितंबर 2025

कठिन समय में राज्य और केंद्र सरकार पंजाब के साथ!

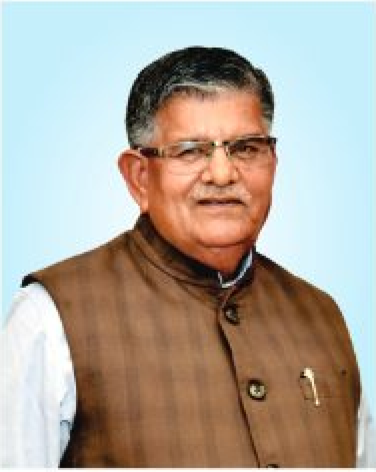

श्री गुलाब चंद कटारिया
राज्यपाल, पंजाब एवं प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़

पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ ने हमारे भाइयों और बहनों को भारी कठिनाई, नुकसान और पीड़ा पहुँचाई है। प्रभावित ज़िलों के अपने दौरे के दौरान, मैंने उन लोगों का दर्द देखा जिन्होंने अपने घर, आजीविका और कुछ मामलों में, अपने प्रियजनों को खो दिया है।

2 से 4 सितंबर तथा 13 सितंबर, 2025 के दौरान, मैंने पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिलों- फिरोज़पुर, तरनतारन, अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर (टांडा), रूपनगर और पटियाला का दौरा किया। इन यात्राओं के दौरान, मैंने व्यक्तिगत रूप से हमारे लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को देखा -जलमग्न खेत, क्षतिग्रस्त घर, अस्त-व्यस्त जीवन, और सबसे बढ़कर, इस आपदा से जूझ रहे परिवारों की आँखों में दर्द। इन अनुभवों ने मुझे गहराई से छुआ और मेरे इस दृढ़ संकल्प को और मजबूत किया कि संकट की इस घड़ी में, हमें एकजुट होकर रहना होगा।

पंजाब के लोग हर चुनौती के बाद हमेशा और मज़बूत होकर उभरे हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि एकता और सामूहिक संकल्प के साथ, हम इस परीक्षा को भी पार कर लेंगे। हमारे खेत फिर से लहलहा उठेंगे, घर फिर से बस जाएँगे, और पंजाब की अदम्य भावना देश को प्रेरित करती रहेगी।

इन कठिन क्षणों में मैं पूरे पंजाब की जनता से कहना चाहता हूँ—आप अकेले नहीं हैं। आपका दर्द मेरा अपना दर्द है और आपकी पीड़ा मेरी अपनी पीड़ा है। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि पंजाब की अटूट शक्ति और आपसी भाईचारे की भावना हमें इस आपदा से और भी मजबूत बनाकर निकालेगी। खेत फिर से हरे-भरे होंगे, घरों में फिर से खुशियाँ लौटेंगी और पंजाब की यह धरती एक बार फिर नई ऊर्जा और उम्मीद से जगमगाएगी।

फिरोज़पुर

"हर साल की दोहरी मार से मुक्ति का वादा – बाढ़ प्रभावितों की पीड़ा सुनकर बोले राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया

फिरोज़पुर, 2 सितंबर: फिरोज़पुर के राहत कैंप में सीधी बातचीत

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 2 सितंबर को फिरोज़पुर ज़िले के गांव बारे स्थित स्कूल में बनाए गए राहत केंद्र का दौरा किया और बाढ़ पीड़ितों से सीधे संवाद किया। लगभग 250 लोग इस राहत शिविर में सुरक्षित ठहराए गए थे, जिनमें कई परिवार ऐसे थे जो पिछले 70 वर्षों से इन ज़मीनों पर खेती कर रहे थे। राज्यपाल ने भरोसा दिलाया कि प्रभावित परिवारों को न केवल फसलों का मुआवज़ा मिलेगा बल्कि उन्हें सुरक्षित स्थानों पर मालिकाना हक देकर पुनर्वास के प्रयास भी किए जाएंगे।

जमीनी हालात का निरीक्षण

अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने हेडवर्क्स का निरीक्षण किया और पानी के स्तर का जायज़ा लिया। उन्होंने उस सड़क का भी दौरा किया जो अत्यधिक पानी के दबाव से टूट गई थी और रिट्रीट सेरेमनी की ओर जाने वाले मार्ग को प्रभावित कर रही थी। इस संबंध में उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों से जानकारी हासिल की और सड़क की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए।

श्रद्धांजलि और प्रशासनिक सहयोग

अपने दौरे की शुरुआत में पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री कटारिया हुसैनीवाला शहीदी स्मारक पहुँचे और शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उनके साथ विधायक श्री रणबीर सिंह भुल्लर, कमिश्नर श्री अरुण शेखड़ी, डिप्टी कमिश्नर दीपशिखा शर्मा, एसएसपी भूपिंदर सिंह और एडीसी श्री दमनजीत सिंह मान भी मौजूद रहे।

राज्यपाल कटारिया ने हुसैनीवाला में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

फिरोजपुर के ऐतिहासिक हुसैनीवाला शहीदी स्मारक राष्ट्र के महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया।

भास्कर न्यूज | फिरोजपुर

पंजाब के राज्यपाल, गुलाब चंद कटारिया ने फिरोजपुर दौरे के दौरान यहां के ऐतिहासिक हुसैनीवाला शहीदी स्मारक पर पहुंच कर राष्ट्र के महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीदों की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

राज्यपाल ने भारत माता की समाधि पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए, जो देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन शहीदों का बलिदान हमें राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे शहीदों के आदर्शों पर चलें और एक मजबूत व समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

विधायक ने बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की

गिद्दड़बाहा। गिद्दड़बाहा के विधायक हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लों ने वीडियो के जरिये गिद्दड़बाहा के सभी निवासियों से बाढ़ पीड़ितों की हर संभव सहायता करने के लिए सहयोग की अपील की। सभी के सहयोग से एक बैंक खाता खोला जाएगा, जिसमें हर हलके का निवासी अपनी श्रद्धा अनुसार सहयोग दे सकेगा और यह पैसा बाढ़ पीड़ितों के जीवन को पुनर्स्थापित करने के लिए ही इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज समय है कि हम सभी को पार्टीबाजी से ऊपर उठकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करनी चाहिए और हमारा फर्ज है कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होकर उनकी सहायता करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी निकल जाने के बाद बाढ़ पीड़ितों को फिर से बहाल करने के लिए अधिक सहयोग की आवश्यकता होगी। इसलिए एकत्र किया गया पैसा ऐसे दो-तीन बाढ़ प्रभावित गांवों को गोद लेकर वहां जो भी जरूरत होगी, वह मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि बैंक खाते में बाढ़ पीड़ितों के लिए जो पैसा जमा होगा उसका हिसाब-किताब सब लोगों के साथ साझा किया जाएगा।

गांवों का संपर्क टूटा, मंत्री व विधायक राहत कार्यों में जुटे

अमर उजाला ब्यूरो

खड्डों का पानी गांवों को पहुंचा रहा ज्यादा नुकसान

[illegible]

फिरोजपुर में बाढ़ पीड़ितों से बातचीत क… कटारिया। अमर

Punjab governor visits Ferozepur as relief and rehabilitation underway in flood-hit districts

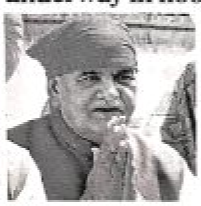

DW BUREAU | CHANDIGARH

PUNJAB Governor Gulab Chand Kataria visited flood-hit Ferozepur on Tuesday as relief-and-rehabilitation operations are underway in other affected districts as well. Punjab is battling against one of the worst floods since 1988. The devastating floods have already claimed 29 lives, besides impacting more than 2.56 lakh people, officials said on Monday.

The swollen Sutlej, Beas and Ravi rivers and seasonal rivulets have flooded large parts of the state following heavy rain in their catchment areas in Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir.

A total of 12 districts, including Gurdaspur, Pathankot, Fazilka, Kapurthala, Tarn Taran, Ferozepur, Hoshiarpur and Amritsar, have been hit by the floods.

Prime Minister Narendra Modi spoke to Punjab Chief Minister Bhagwant Mann immediately after returning to Delhi from China on Monday to enquire about the flood situation in the state and assured him of all support.

The governor held a meeting with administration officials in the border district of Ferozepur on Tuesday.

Kataria, who began his visit to the flood-hit districts from Ferozepur, discussed the relief-and-rehabilitation measures underway for the affected families, and directed the officials to ensure timely assistance and effective coordination.

Ferozepur Deputy Commissioner Deepshikha Sharma and Senior Superintendent of Police Bhupinder Singh attended the meeting.

Kataria is scheduled to visit Tarn Taran later in the day. He will tour Amritsar, Gurdaspur and Pathankot on Wednesday, and Hoshiarpur and Sri Anandpur Sahib on Thursday, officials said.

After the meeting with the Ferozepur district administration, the governor said he reviewed the flood situation, discussed the relief and rehabilitation measures for the affected people, and instructed officials to ensure timely assistance and effective coordination in the affected areas.

During his Ferozepur visit, Kataria also met the affected people at a relief camp in Bare village and listened to their problems.

He also inspected the Hussainiwala Head Works and the Border Security Force (BSF) post and later, paid tributes at the Hussainiwala War Memorial.

Meanwhile, a fresh spell of rain lashed several parts of the state.

According to the weather department, several places in Punjab received rain during the 24-hour period ending at 8:30 am on Tuesday.

Among other places, Amritsar received 18.3 mm rain, Patiala 70.5 mm, Bathinda 5 mm, Faridkot 1 mm, Gurdaspur 32.8 mm, Mansa 10 mm and Mohali 44.5 mm.

In view of the rising water level in the Beas river and Kali Bein rivulet, along with the continuous heavy rainfall, the district administration in Kapurthala has issued an advisory for the public.

The advisory has requested people to avoid going near the rivers and the adjoining Dhussi embankments in order to prevent any untoward incident.

{ FEROZEPUR, TARN TARAN }

Kataria visits flood-hit areas, pushes for speedy assistance

Gaurav Sagar Bhaskar and Surjit Singh

letterschd@hindustantimes.com

FEROZEPUR : Punjab governor Gulab Chand Kataria held a meeting on Tuesday with officials of the Ferozepur district administration to review the flood situation in the border district, officials said.

Kataria, who began his four-day visit to the flood-hit districts from Ferozepur, discussed the relief and rehabilitation measures underway for the affected families, and directed officials to ensure timely assistance.

Ferozepur DC Deepshikha Sharma and SSP Bhupinder Singh attended the meeting.

"Residents of the state's low-lying areas, who are forced to bear the brunt of floods, deserved timely warnings before excess water was released from dams so they could safeguard their lives and move to a higher ground in advance," Kataria said, adding: "In today's IT-driven era, with advanced communication at our fingertips, timely warnings of looming threats must reach every vulnerable area without delay," he said. He acknowledged the administration's efforts but stressed that far more proactive and advance measures were urgently needed to tackle such crises and ensure timely arrangements.

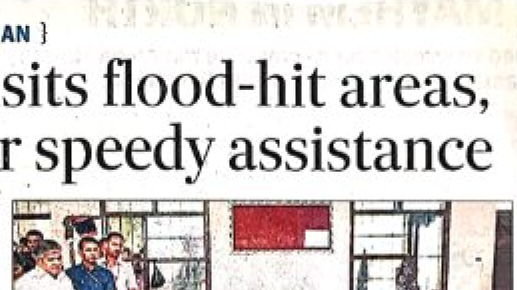

Governor Gulab Chand Kataria interacting with flood-affected people at a relief camp in Ferozepur. HT

Kataria later visited Tarn Taran district, where 66 villages are affected by flood, and nearly 28,000 acres of crops have been damaged. During the visit, he reached the bridge on the Sutlej river at Harike Headworks, and obtained details from district officials regarding the release of water downstream.

Kataria also held a meeting with all district officers and BSF officials in Tarn Taran. Punjab cabinet minister Laljit Singh Bhullar was present during the meeting. During the meeting, DC Rahul shared that in view of the possibility of further rise in water levels in the Beas and Sutlej rivers. On September 3, the governor is scheduled to visit Amritsar, Gurdaspur and Pathankot, and the next day, Hoshiarpur and Anandpur Sahib, said the officials.

फिरोजपुर में राज्यपाल कटारिया ने किया दौरा, किसानों का दर्द जाना, बोले-

जिन किसानों ने 70 साल मेहनत से फसल उगाई, वे आज भी जमीन के मालिक नहीं

हुसैनीवाला में ज्वाइंट चेक पोस्ट पर अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति का जायजा लेते गवर्नर गुलाब चंद कटारिया। (दाएं) बारे के गांव में बनाए गए राहत शिविर कैंप में लोगों से बातचीत करते राज्यपाल।

विस्थापितों के स्थायी निवास की व्यवस्था के गंभीर मुद्दे पर सीएम मान से बात करेंगे

भास्कर न्यूज | फिरोजपुर

पंजाब के फिरोजपुर जिले में जहां सतलुज नदी का कहर हर साल सतलुज से सटे किसानों की उम्मीदों को डुबो देता है, वहां इस बार पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया का दौरा एक नई बहस और उम्मीद की किरण लेकर आया है। उनका यह दौरा सिर्फ राहत कार्यों का जायजा लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसने एक ऐसे मुद्दे को उजागर किया, जो दशकों से किसानों की जमीनों को अनिश्चितता के दलदल में धकेले हुए है।

हुसैनीवाला में जहां भारत-पाक सीमा की बाड़, दोनों देशों को बांटती है, वहीं राज्यपाल कटारिया ने बाढ़ग्रस्त इलाकों में जाकर वहां के दर्द को समझा। हालांकि उन्होंने पंजाब सरकार और स्थानीय प्रशासन की तैयारियों पर संतोष जताया, लेकिन सतलुज से सटे सरहदी किसानों की दुर्दशा देखकर वह हैरान रह गए। उन्होंने यो देखकर गहरी चिंता जताई कि जिन किसानों ने 70 सालों से इन जमीनों पर अपनी मेहनत से फसल उगाई है, वे आज भी अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं। इस स्थिति ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। आजादी के इतने साल बाद भी, जब देश प्रगति के नए आयाम छू रहा है, तब भी सीमावर्ती गांवों के किसान अपनी ही जमीन के मालिकाना हक से वंचित क्यों हैं?

राज्यपाल के दौरे के दौरान बारे के गांव में स्थापित राहत शिविर में मौजूद कुछ पीड़ितों ने उन्हें अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि युद्ध या बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में उन्हें अक्सर उनके घरों से हटा दिया जाता है, जिससे उनकी समस्याएं और बढ़ जाती हैं। इस गंभीर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्यपाल ने विस्थापित लोगों के लिए स्थाई निवास की व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। कटारिया ने साफ कहा है कि वह इस गंभीर मुद्दे पर सीएम मान से बात करेंगे। ये एक बड़ा कदम है, जो अगर सफल होता है तो न सिर्फ पंजाब, बल्कि देश के अन्य सीमावर्ती राज्यों के किसानों के लिए भी एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। उन्होंने पीड़ितों को जल्द से जल्द मुआवजा देने का आश्वासन दिया, जिससे किसानों के जख्मों पर मरहम लगाया जा सके। राज्यपाल के आज के इस दौरे ने स्थानीय समस्या को राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया।

बाढ़ के स्थायी समाधान की बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हर साल आने वाली इस आपदा से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने के राज्यपाल के वादे के साथ, यह उम्मीद जगी है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की दशकों पुरानी समस्याओं का कोई ठोस समाधान निकल पाएगा।

पंजाब केसरी
WED,03 SEPTEMBER 2025
EDITION: FEROZPUR KESARI, PAGE NO. 1

राज्यपाल कटारिया ने जांचे बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों के हालात, बोले- लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने की होगी कोशिश

[illegible]

[illegible]

Governor backs rights to farmers tilling govt land

OUR CORRESPONDENT

FEROZEPUR, SEPTEMBER 2

Punjab Governor Gulab Chand Kataria on Tuesday said he would take up with Chief Minister Bhagwant Mann the issue of granting proprietary rights to farmers cultivating government land along the India-Pakistan border. Backing the demand, Kataria said he would strive for a permanent solution to the problem so that such farmers could be given compensation after suffering losses in a natural calamity.

The Governor said this during a visit to flood-affected villages. He also held a meeting with senior officials at MES Inspection Bungalow, where he had arrived last night.

The Governor visited the India-Pakistan Joint Check Post at Hussainiwala, which has been completely submerged and met affected families. Several farmers living along the border told Kataria that they had been cultivating government land for several decades.

They said earlier the "girdawari" (land cultivation record) was in their name, which was cancelled and their names removed from the revenue records due to which they were deprived of the compensation. Many farmers said that they faced similar situation in 2023 also.

तरनतारन

> “ संकट की घड़ी में राज्यपाल बने सहारा

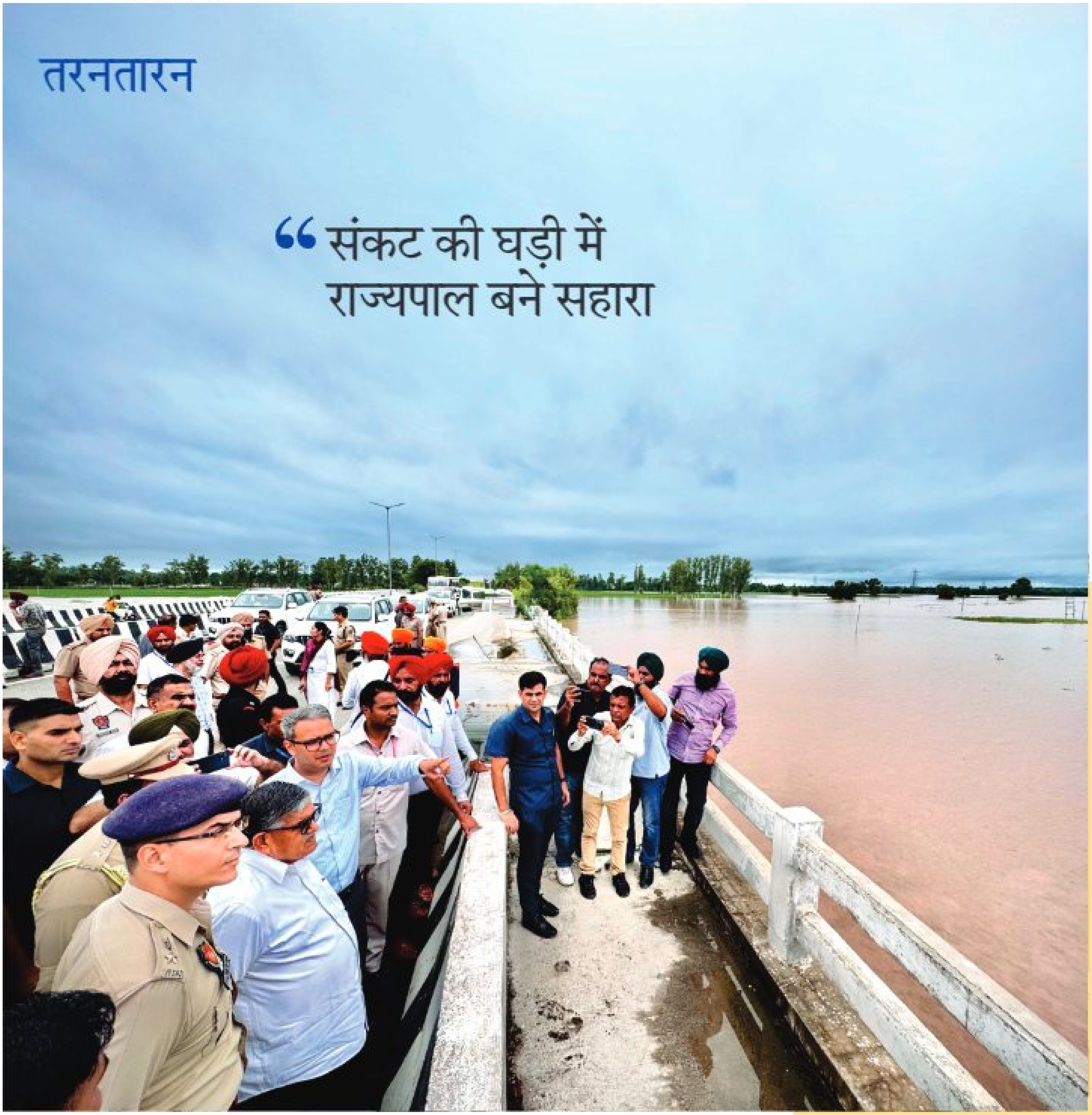

तरनतारन ज़िले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा, स्थिति का लिया सीधा जायज़ा

हरिके पत्तन (तरनतारन), 2 सितंबरः

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज तरनतारन ज़िले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने हरिके हेडवर्क्स से छोड़े गए पानी की स्थिति का स्वयं सतलुज पुल पर खड़े होकर जायज़ा लिया और अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली।

पीड़ितों के लिए राहत को बनाया प्राथमिकता

राज्यपाल श्री कटारिया ने स्पष्ट किया कि इस आपदा की घड़ी में प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और राहत उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत और बचाव कार्य में कोई ढिलाई न बरती जाए और हर ज़रूरतमंद तक समय पर सहायता पहुँचे। उन्होंने कहा कि न केवल लोगों की सुरक्षा बल्कि पशुधन और फ़सलों को भी संरक्षित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएँ। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रभावित परिवारों को पुनर्वास और मुआवज़ा समय पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

अधिकारियों और जनता की सराहना

राज्यपाल ने जिला प्रशासन, पुलिस, बी.एस.एफ. और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता के आपसी सहयोग से ही बड़े नुकसान को टाला जा सका। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी हैं। केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर वे स्वयं यह सुनिश्चित करेंगे कि ज़िला प्रशासन द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को भारत सरकार से स्वीकृति मिले।

भावनात्मक अपील

राज्यपाल ने कहा कि यह संकट की घड़ी सभी के साहस और धैर्य की परीक्षा है। "मैं प्रभावित परिवारों से कहना चाहता हूँ कि आप अकेले नहीं हैं। सरकार और पूरा प्रशासन आपके साथ खड़ा है। हम सब मिलकर इस कठिनाई से बाहर निकलेंगे और जीवन को पुनः पटरी पर लाएँगे।"इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री लालजीत सिंह भुल्लर, डिप्टी कमिश्नर श्री राहुल (आईएएस), एसएसपी श्री दीपक पारिक, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर श्री राजदीप सिंह बराड़, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) श्री संजीव शर्मा, एसडीएम पट्टी श्री प्रीतइंदर सिंह, एसडीएम तरनतारन श्री गुरमीत सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

{ FEROZEPUR, TARN TARAN }

Kataria visits flood-hit areas, pushes for speedy assistance

Gaurav Sagar Bhaskar and Surjit Singh

letterschd@hindustantimes.com

Governor Gulab Chand Kataria interacting with flood-affected people at a relief camp in Ferozepur. HT

FEROZEPUR : Punjab governor Gulab Chand Kataria held a meeting on Tuesday with officials of the Ferozepur district administration to review the flood situation in the border district, officials said.

Kataria, who began his four-day visit to the flood-hit districts from Ferozepur, discussed the relief and rehabilitation measures underway for the affected families, and directed officials to ensure timely assistance.

Ferozepur DC Deepshikha Sharma and SSP Bhupinder Singh attended the meeting.

"Residents of the state's low-lying areas, who are forced to bear the brunt of floods, deserved timely warnings before excess water was released from dams so they could safeguard their lives and move to a higher ground in advance," Kataria said, adding: "In today's IT-driven era, with advanced communication at our fingertips, timely warnings of looming threats must reach every vulnerable area without delay," he said. He acknowledged the administration's efforts but stressed that far more proactive and advance measures were urgently needed to tackle such crises and ensure timely arrangements.

Kataria later visited Tarn Taran district, where 66 villages are affected by flood, and nearly 28,000 acres of crops have been damaged. During the visit, he reached the bridge on the Sutlej river at Harike Headworks, and obtained details from district officials regarding the release of water downstream.

Kataria also held a meeting with all district officers and BSF officials in Tarn Taran. Punjab cabinet minister Laljit Singh Bhullar was present during the meeting. During the meeting, DC Rahul shared that in view of the possibility of further rise in water levels in the Beas and Sutlej rivers. On September 3, the governor is scheduled to visit Amritsar, Gurdaspur and Pathankot, and the next day, Hoshiarpur and Anandpur Sahib, said the officials.

राज्यपाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

तरनतारन व फिरोजपुर में बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना

मुख्यमंत्री द्वारा फिरोजपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किश्ती से दौरा

सीमावर्ती काश्तकारों को ज़मीनों की मलकीयत और मुआवज़े के अधिकार मिलने चाहिएं : कटारिया

Punjab Governor visits Harike headworks, reviews flood situation, convenes meeting

Our Correspondent

Punjab Governor Gulab Chand Kataria during his visit to the Harike waterworks on Tuesday.

TARN TARAN, SEPTEMBER 2

Governor of Punjab Gulab Chand Kataria visited the Harike head-works on Tuesday to take stock of the flood-affected areas and called upon officials to cooperate with each other to minimise losses at the time of this natural calamity. Harike is the point where there is a confluence of the rivers Beas and Sutlej.

The Governor addressed a meeting of civil, police and BSF officials at the local District Administrative Complex and stressed on minimising losses incurred at the time of mishap. Cabinet Minister Laljit Singh Bhullar too was present in the meeting.

The Governor was accompanied by Deputy Commissioner Rahul, Senior Superintendent of Police Deepak Pareek and other officials.

Deputy Commissioner Rahul informed the Governor about the release of river water downstream of Harike head-works.

The villages downstream of Harike are among the worst affected and there was heavy erosion on the banks of the Sutlej.

Deputy Commissioner Rahul informed the Governor and said that there were a total of 66 villages that were affected by the floods. About 28,000 acres of crop had been submerged and 21 relief camps have been set up to be used in time of need, the DC said.

The Governor was also informed that the administration has procured jumbo bags, boats, ration and other items to be used when needed. The Governor stressed on making all efforts to minimise the loss of human lives and livestock. The Governor also stressed on strengthening the embankments at weak pints. The DC said that with the cooperation of the residents of the area, farmers, NREGA workers and followers of religious sects, the strengthening of embankments was going on.

राज्यपाल कटारिया ने तरनतारन के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेते हुए।

सवेरा न्यूज/गल्होत्रा/पुनीत

हरिके पत्तन/तरनतारन, 2 सितंबर : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने तरनतारन के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालातों का जायजा लिया। इस दौरान, राज्यपाल ब्यास और सतलुज दरिया के संगम हरिके हैडवर्क्स पर सतलुज दरिया पर बने पुल पर पहुंचे और जिला अधिकारियों से जानकारी ली। तरनतारन के डिप्टी कमिश्नर राहुल ने राज्यपाल को बताया कि हरिके हैडवर्क्स से नीचे की ओर छोड़े जा रहे पानी के कारण तरनतारन के दर्जनों गांव पानी की चपेट में है। वहीं, राज्यपाल कटारिया ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में लोगों की जान-माल की सुरक्षा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए।

राज्यपाल कटारिया ने हरिके हेडवर्क्स का किया दौरा

हरिके हैड वर्कस पर पानी की आवक का जायजा लेते पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। साथ हैं डीसी एस राहुल, एसएसपी दीपक पारिक●डीपीआरओ

जासं, तरनतारन : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को हरिके पत्तन हेडवर्क्स के साथ लगते धुस्सी बांध का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान से बाकायदा राज्य के हाल पर चर्चा की गई है। पंजाब की हरसंभव मदद के लिए प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है। इस मौके राज्यपाल कटारिया को स्थिति से अवगत करवाते हुए डिप्टी कमिश्नर एस राहुल ने बताया कि तरनतारन जिले से संबंधित 66 गांव दरिया के पानी की मार झेल रहे हैं।

राज्यपाल ने फिरोजपुर और तरनतारन में बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

निरीक्षण करते हुए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व अन्य।

चंडीगढ़, 2 सितम्बर (हरिश्चंद्र): पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को तरनतारन और फिरोजपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि जमीनों का नक्शा मालिकाना हक दिलवाकर गिरदावरी के जरिए फसलों का मुआवजा देने और सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ पहुंचाने संबंधी मांग बिल्कुल जायज है और इस संबंध में मुख्यमंत्री के ध्यान में लाकर पक्के तौर पर हल का प्रयास किया जाएगा। कटारिया ने मंगलवार को फिरोजपुर के गांव बारे के स्कूल में बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाए गए राहत केंद्र में मौजूद लोगों से मुलाकात की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि 250 से अधिक बाढ़ पीड़ितों को बारे के स्कूल में बनाए गए राहत केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। ये लोग अपने बुजुर्गों के साथ 70 साल से खेती करते आ रहे हैं। पहले इन जमीनों की गिरदावरी इनके नाम पर थी, लेकिन अब सरकारी रिकॉर्ड में यह गिरदावरी इनके नाम पर न होने के कारण किसी भी सरकारी योजना का लाभ इन्हें नहीं मिल पाता। इसके अलावा उन्होंने यह भी ध्यान में लाया कि हर साल बाढ़ की मार इन्हें झेलनी पड़ती है। सोम की जब भी कभी युद्ध जैसे हालात बनते हैं तो इन्हें अपना घर छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर आना पड़ता है।

राज्यपाल ने कहा कि इनकी बातें सुन कर यह महसूस होता है कि इन्हें साल इन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ती है, इसलिए इनकी समस्या का स्थाई समाधान होना चाहिए। इन समस्याओं के पक्के हल के लिए मुख्यमंत्री से विशेष रूप से मुलाकात कर उनके ध्यान में लाकर इसका समाधान निकाला जाएगा।

अमृतसर

“लोगों के दुख-दर्द को करीब से समझा – अमृतसर की बाढ़ त्रासदी में पहुँचे राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया”

अमृतसर, 2 सितंबर:
बाढ़ प्रभावित इलाकों का जमीनी जायज़ा

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अमृतसर ज़िले के बाढ़ग्रस्त इलाकों – माकोवाल और चम्यारी गांवों का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद किया।

सेना और प्रशासन के साथ समीक्षात्मक बैठक

माकोवाल में सेना के बेस कैंप पर राज्यपाल को वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी कि किस तरह ऑपरेशन राहत के तहत 250 लोगों को एयरलिफ्ट किया गया और लगभग 4,000 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। राज्यपाल ने इस दौरान जिला प्रशासन, पुलिस और सेना के बीच समन्वय और तत्परता की सराहना की।

> "असल चुनौती पानी उतरने के बाद"
>
> – राज्यपाल

श्री कटारिया ने कहा कि असली परीक्षा तब शुरू होगी, जब बाढ़ का पानी घटेगा।

उन्होंने निर्देश दिए किः

- फसलों व संपत्ति के नुकसान का शीघ्र आकलन हो।
- प्रभावित परिवारों को समय पर मुआवज़ा मिले।
- मेडिकल टीमें अधिकतम स्थानों पर भेजी जाएँ ताकि जलजनित बीमारियों को रोका जा सके।
- साँप के काटने की घटनाओं से बचाव हेतु विशेष इंतज़ाम किए जाएँ।

जनशक्ति की मिसाल पर गर्व

राज्यपाल ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सेना, नागरिक प्रशासन, पुलिस और पंजाब की जनता ने मिलकर एक अद्वितीय सामूहिक प्रयास प्रस्तुत किया है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीणों के साहस और सहयोग भावना की सराहना की।

पीड़ितों के साथ मानवीय संवाद

बाद में राज्यपाल चमयारी गांव के राहत शिविर पहुँचे। यहाँ उन्होंने विस्थापित परिवारों से सीधे बातचीत की, उनका हाल जाना और भरोसा दिलाया कि प्रशासन हर कदम पर उनके साथ खड़ा है – चाहे वह तत्काल राहत हो या दीर्घकालिक पुनर्वास।

राज्यपाल कटारिया से विधायक एवं पूर्व मंत्री धालीवाल ने 2 हजार करोड़ रुपये के पैकेज जारी करवाने की उठाई मांग

7 दिनों से बाढ़ की प्राकृतिक विभीषिका की मार झेल रहे क्षेत्रवासी

राज्यपाल कटारिया ने अजनाला में बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना

अमृतसर/चंडीगढ़/जालंधर, 2 सितम्बर (नीरज, हरिश्चंद्र, धवन): आजशाम को खराब मौसम और बारिश के बावजूद विधान सभा क्षेत्र अजनाला के रावी नदी और सक्की नाले में आई बाढ़ का जायजा लेने और जिला प्रशासन द्वारा गांव चमियारी में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए लगाए गए राहत शिविर में प्रभावित लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया विशेष रूप से पहुंचे।

अजनाला के बाढ़ पीड़ितों को राशन वितरित करते पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व अन्य। (छाया)

इस दौरान प्रशासनिक और सेना के अधिकारियों सहित प्रभावित लोगों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुई बैठक में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल क्षेत्रवासियों के दुखद वृत्तांत पेश करने के लिए शामिल हुए। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक धालीवाल ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया का औपचारिक शब्दों में स्वागत किया और राज्यपाल को बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रवासियों की ओर से मांग पत्र पेश करते हुए कहा कि 49 किलोमीटर लंबी भारत-पाक सीमा पर विधानसभा क्षेत्र अजनाला स्थित होने के कारण इस सीमा के लोगों को रावी नदी के उफनते पानी का दर्द अक्सर झेलना पड़ता है।

धालीवाल ने पेश किए गए मांग पत्र में राज्यपाल कटारिया को अवगत कराया कि अब पिछले 1 हफ्ते से रावी नदी में आई भयानक बाढ़ ने अजनाला में तबाही की कोई कसर नहीं छोड़ी है। बाढ़ की भयावहता के कारण इस क्षेत्र में रहने वाले शांतिप्रिय नागरिक सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 2000 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान उठाने के लिए प्राकृतिक विभीषिका का शिकार हो गए हैं, जबकि कुछ बहुमूल्य मानव जानों को भी बाढ़ ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने राज्यपाल के समक्ष केंद्र सरकार से 2000 करोड़ रुपए के पैकेज जारी करवाने की मांग उठाई।

इसके अलावा राज्यपाल ने फिरोजपुर के गांव बारे के स्कूल में बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाए गए राहत केंद्र में मौजूद लोगों से मुलाकात की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

अजनाला बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने पहुंचे राज्यपाल

अमृतसर। बारिश के बावजूद विधानसभा क्षेत्र अजनाला के रावी नदी और सक्की नाले में आई बाढ़ का जायजा लेने और जिला प्रशासन द्वारा गांव चमियारी में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए लगाए राहत शिविर में प्रभावित लोगों से बातचीत के लिए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया विशेष रूप से पहुंचे। इस मौके पर प्रशासनिक और सेना के अधिकारियों सहित प्रभावित लोग और विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल भी मौजूद रहे। पिछले 7 दिनों से बाढ़ की प्राकृतिक विभीषिका की मार झेल रहे क्षेत्रवासियों के दुखद वृत्तांत पेश करने के लिए शामिल हुए। संवाद

राज्यपाल ने किया बाढ़ वाले इलाकों का दौरा

● राहत एवं बचाव कार्यों में नागरिक, पुलिस और सेना के संयुक्त प्रयासों की सराहना की

सवेरा न्यूज, राजेश शर्मा

अमृतसर, 2 सितंबरः पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज शाम अमृतसर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, जिसमें अजनाला विधानसभा क्षेत्र के माकोवाल और चम्यारी गाँव शामिल थे। उन्होंने चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।

माकोवाल स्थित आर्मी बेस कैंप में, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने राज्यपाल को रावी नदी के किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे बचाव अभियानों की जानकारी दी, जहाँ कई गाँवों में जल स्तर 8-10 फीट तक बढ़ गया था। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और स्थानीय निवासियों के सक्रिय सहयोग से लगभग 4,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है, जिनमें से 250 लोगों को हेलीकॉप्टरों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। सेना ने राज्यपाल को भारी ड्रोन, एआईटीओआर वाहनों और नावों की तैनाती के बारे में जानकारी दी, जो ऑपरेशन राहत के सफल क्रियान्वयन में सहायक साबित हुए। उन्होंने अमृतसर की उपायुक्त श्रीमती साक्षी साहनी और एसएसपी (ग्रामीण) श्री मनिंदर सिंह के समन्वय और निरंतर प्रयासों से बचाई गई सैकड़ों जानों का विशेष उल्लेख किया।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया गाँव माकोवाल में सेना, जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए पंजाब के राज्यपाल व अन्य।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि असली चुनौती बाढ़ का पानी उतरने के बाद शुरू होगी, क्योंकि तब पुनर्वास, फसल और संपत्ति के नुकसान का आकलन और समय पर मुआवजा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। राज्यपाल कटारिया ने विशेष रूप से सेना, नागरिक प्रशासन, पुलिस और सबसे बढ़कर पंजाब के लोगों के अथक प्रयासों की सराहना की, जिनकी सामूहिक भावना इस संकट की घड़ी में बहुत मजबूत है। राज्यपाल ने चम्यारी गाँव में राहत शिविर का दौरा किया, जहाँ उन्होंने बाढ़ से विस्थापित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने उनसे बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें तत्काल राहत तथा दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह, सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर, विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कमल किशोर यादव, डीसी साक्षी साहनी, मेजर जनरल कार्तिक सी. शेषाद्री, डीआईजी नानक सिंह, जिला पुलिस प्रमुख मनिंदर सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त रोहित गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त अमनदीप कौर और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

Punjab Governor visits Harike headworks, reviews flood situation, convenes meeting

Our Correspondent

TARN TARAN, SEPTEMBER 2

Governor of Punjab Gulab Chand Kataria visited the Harike head-works on Tuesday to take stock of the flood-affected areas and called upon officials to cooperate with each other to minimise losses at the time of this natural calamity. Harike is the point where there is a confluence of the rivers Beas and Sutlej.

The Governor addressed a meeting of civil, police and BSF officials at the local District Administrative Complex and stressed on minimising losses incurred at the time of mishap. Cabinet Minister Laljit Singh Bhullar too was present in the meeting.

The Governor was accompanied by Deputy Commissioner Rahul, Senior Superintendent of Police Deepak Pareek and other officials.

Deputy Commissioner Rahul informed the Governor about the release of river water downstream of Harike head-works.

The villages downstream of Harike are among the worst affected and there was heavy erosion on the banks of the Sutlej.

Deputy Commissioner Rahul informed the Governor and said that there were a total of 66 villages that were affected by the floods. About 28,000 acres of crop had been submerged and 21 relief camps have been set up to be used in time of need, the DC said.

The Governor was also informed that the administration has procured jumbo bags, boats, ration and other items to be used when needed. The Governor stressed on making all efforts to minimise the loss of human lives and livestock. The Governor also stressed on strengthening the embankments at weak pints. The DC said that with the cooperation of the residents of the area, farmers, NREGA workers and followers of religious sects, the strengthening of embankments was going on.

Punjab Governor Gulab Chand Kataria during his visit to the Harike waterworks on Tuesday.

राज्यपाल ने पीड़ितों को बांटा राशन, धालीवाल ने 2000 करोड़ का पैकेज मांगा

दैनिक सवेरा टाइम्स

पूर्व मंत्री धालीवाल ने केंद्र से मांगा 2 हजार करोड़ रुपए का पैकेज

अजनाला बाढ़ पीड़ितों का हाल पूछने आए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

गुरदासपुर

“ गुरदासपुर की बाढ़ त्रासदी में उम्मीद की किरण बने पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया – प्रभावित गाँवों तक पहुँचकर दिया भरोसा, साहस और एकजुटता की मिसाल बनी पंजाब की जनता

गुरदासपुर, 3 सितंबरः

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने 3 सितम्बर को गुरदासपुर ज़िले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों – डेरा बाबा नानक, कलानौर और बेहरामपुर – का दौरा किया। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद भी किया।

डेरा बाबा नानक में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के समीप स्थिति का जायज़ा लेते हुए उन्हें डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह ने जानकारी दी कि रावी नदी के तटबंध टूटने से 324 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए थे। प्रशासन ने सेना, बीएसएफ, एनडीआरएफ और पुलिस की मदद से 5581 लोगों को सुरक्षित निकाला।

राज्यपाल ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान सहित पूरा मंत्रिमंडल, विधायक और आम जनता सक्रिय रूप से जुड़े हुए है। उन्होंने कहा कि पंजाबियों की एकजुटता बेमिसाल है और इसी सामूहिक भावना से इस संकट पर काबू पाया जा सकता है।

"पंजाबियों की एकजुटता बेमिसाल"

राहत शिविरों और प्रभावित परिवारों से संवाद

राज्यपाल ने सरकारी मिडल स्कूल नरहानवाली में बनाए गए राहत शिविर का दौरा किया, जहाँ उन्होंने परिवारों और बुजुर्गों का हालचाल जाना और उनके पशुओं की सुरक्षा का भी जायज़ा लिया। स्थानीय निवासियों ने राज्यपाल से शक्की नाले (किरन नाले) से हर साल होने वाली तबाही से स्थायी राहत देने की माँग रखी। इसके साथ ही मकोरा पत्तन पर स्थायी पुल बनाने की भी मांग की गई। राज्यपाल ने इन मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

श्रद्धांजलि और प्रशासनिक सहयोग

दौरे के दौरान राज्यपाल ने बेहरामपुर में बीएसएफ, सेना, एनडीआरएफ और ग्रामीणों के साथ बैठक कर राहत कार्यों की जानकारी ली।

इस मौके पर सांसद श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक श्री गुरदीप सिंह रंधावा, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह, डीआईजी श्री नानक सिंह, बटाला जिला पुलिस प्रमुख श्री सुहैल क़ासिम मीर, गुरदासपुर जिला पुलिस प्रमुख श्री आदित्य, एडीसी (जनरल) डॉ. हरजिंदर सिंह बेदी, एडीसी (डेवलपमेंट) श्री गुरप्रीत सिंह गिल, एसडीएम डेरा बाबा नानक डॉ. आदित्य शर्मा, एसडीएम कलानौर श्रीमती ज्योत्सना, एसडीएम दीनानगर श्री जसपिंदर सिंह भुल्लर, एसडीएम फतेहगढ़ चूड़ियां श्री गुरमंदर सिंह, असिस्टेंट कमिश्नर श्री रुपिंदर पाल सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संकट की घड़ी में केंद्र सरकार पंजाब के साथ : राज्यपाल

कटारिया ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

विधायक रंधावा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

कटारिया बोले- केंद्र संकट में पंजाब के साथ, हरसंभव सहायता का आश्वासन

संवाद न्यूज एजेंसी

CENTRE WILL ASSIST PUNJAB: GUV

AMRITSAR: On the second day of his visit to flood-affected areas, Punjab governor Gulab Chand Kataria stated the central government stood with Punjab in this hour of crisis and assured all possible aid. He took stock of the rescue and relief operations in flood-hit areas of Gurdaspur district, including Dera Baba Nanak, Kalanaur and Behrampur,

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में पंजाबियों की एकजुटता की कोई मिसाल नहीं : राज्यपाल

जागरण टीम, डेरा बाबा नानक/बहरामपुर : पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक, कलानौर और बहरामपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल जब डेरा बाबा नानक में करतारपुर साहिब कारिडोर के निकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे तो डीसी दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें बताया कि रावी दरिया के तटबंध कई स्थानों पर टूटने के कारण जिले के मकौड़ा पत्तन, नाहलड़ी, दोरांगला, कलानौर और डेरा बाबा नानक क्षेत्रों के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। जिला प्रशासन ने पुलिस, एनडीआरएफ, बीएसएफ और भारतीय सेना की मदद से तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और हेलीकाप्टरों और नावों के माध्यम से 5581 लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित निकाला गया।

राज्यपाल ने कहा कि बाढ़ से निपटने के लिए सभी पंजाबियों ने जो एकजुटता दिखाई है, वह अपने आप में एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की गई है और उन्हें स्थिति से अवगत कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को फोन करके जानकारी ली है। सोमवार केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

स्कूल में लगे राहत शिविर का किया निरीक्षण

उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा सरकारी सीनियर स्कूल नड़ांवाली में स्थापित राहत शिविर का भी दौरा किया और विस्थापित परिवारों से मुलाकात की तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं और उनके पशुओं की सुरक्षा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला प्रशासन को दवाइयों-चिकित्सा दल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लोगों ने किरण नाले से राहत दिलाने का किया अनुरोध

स्थानीय निवासियों ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से किरण नाला से स्थायी राहत दिलाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह नाला हर साल मानसून के मौसम में उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाता है और भविष्य में होने वाले नुकसान को रोकने के लिए, इसका स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए और अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए।

सेना, एनडीआरएफ से बैठक कर राहत व बचाव कार्यों की जानकारी ली

राज्यपाल ने बहरामपुर में बीएसएफ, सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। गांवों के निवासियों ने राज्यपाल को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और रावी दरिया पर स्थायी पुल के निर्माण की भी मांग की। मौके पर सांसद सुखजिंदर रंधावा, विधायक गुरदीप सिंह रंधावा, राज्यपाल के प्रधान सचिव, डीसी दलविंदरजीत सिंह आदि मौजूद थे।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

केंद्र सरकार संकट की घड़ी में पंजाब के साथ : राज्यपाल

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए। (नरेश)

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

सवेरा न्यूज निखिल/रवि/आनंद/नोना

गुरदासपुर/बटाला, 3 सितंबर : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक, कलानौर और बेहरामपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया तथा उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की।

कटारिया जब डेरा बाबा नानक में करतारपुर साहिब कॉरिडोर के निकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे थे, तो गुरदासपुर के डीसी दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें बताया कि रावी दरिया के तटबंध कई स्थानों पर टूटने के कारण गुरदासपुर के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी पहुंचने पर जिला प्रशासन ने स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ, बीएसएफ और भारतीय सेना की मदद से तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और हैलीकॉप्टरों व नावों के माध्यम से 5581 लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित निकाला गया।

कटारिया ने कहा कि इस आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित पूरा मंत्रिमंडल और विधायक राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। कटारिया ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और उन्हें बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया गया है। अधिकारियों से मुलाकात करते हुए कटारिया ने कहा कि असली चुनौती बाढ़ का पानी उतरने के बाद शुरू होगी। क्योंकि, तब पुनर्वास, फसल और संपत्ति के नुकसान का आकलन और समय पर मुआवजे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस दौरान विधायक गुरदीप सिंह रंधावा ने राज्यपाल कटारिया को एक ज्ञापन भी सौंपा। इस दौरान लोकसभा सदस्य सुखजिंदर सिंह रंधावा, राज्यपाल के प्रधान सचिव वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्नर दलविंदरजीत सिंह, डीआईजी नानक सिंह, जिला पुलिस प्रमुख बटाला सोहेल कासिम मीर, जिला पुलिस प्रमुख आदित्य, एडीसी डा. हरजिंदर सिंह बेदी, एडीसी गुरप्रीत सिंह गिल, एसडीएम डेरा बाबा नानक डा. आदित्य शर्मा, एसडीएम कलानौर ज्योत्सना, एसडीएम दीनानगर जसपिंदर सिंह भुल्लर आदि उपस्थित थे।

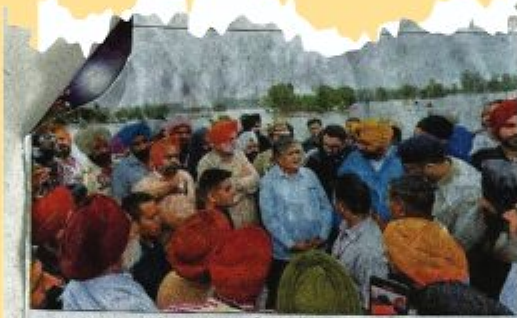

Governor Gulab Chand Kataria in Dera Baba Nanak.

Governor reviews rescue operations in Gurdaspur

Ravi Dhaliwal
TRIBUNE NEWS SERVICE

GURDASPUR, SEPTEMBER 3

Governor Gulab Chand Kataria today visited flood-affected areas of Dera Baba Nanak, Kalanaur and Behrampur and reviewed the rescue and relief operations being carried out by the district administration.

DC Dalwinderjit Singh informed the Governor that floods occurred following a breach of the embankment of the Ravi river. "Due to this, 324 villages of the Makora Pattan, Gahalri, Dorangla, Kalanaur and Dera Baba Nanak areas are waterlogged," he said.

"The district administration immediately started rescue operations with the help of local police, NDRF, BSF and Indian Army following which 5,581 people were evacuated in Army helicopters and boats," he said.

The Governor said to deal with this natural disaster, the Punjab Cabinet, including Chief Minister Bhagwant Singh Mann, and the MLAs were engaged in relief work. He said, "The solidarity shown by Punjabis in dealing with the floods was an example in itself." Kataria said he had apprised Union Home Minister Amit Shah of the latest situation. He said Prime Minister Narendra Modi also spoke to the CM over the phone. "The PM has assured to provide all possible support to deal with the crisis," he said.

Governor Kataria visits flood-hit areas

Ravi River breaches cause major flooding; Governor urges deployment of teams

@ The Savera Times
Network

Gurdaspur: Punjab Governor Gulab Chand Kataria Wednesday visited several flood-affected regions in Gurdaspur district, including Dera Baba Nanak, Kalanaur, and Behrampur, to assess the ongoing rescue and relief efforts being carried out under the leadership of the Punjab Government.

During his visit to the flood-hit areas near the Sri Kartarpur Sahib Corridor in Dera Baba Nanak, the Governor was briefed by Deputy Commissioner Dalwinderjit Singh. The DC informed him that breaches in the embankments of the Ravi River had led to flooding in 324 villages across Makora Pattan, Gahalri, Dorangla, Kalanaur, and Dera Baba Nanak.

He added that swift rescue operations had been initiated by the district administration with support from the local police, National Disaster Response Force (NDRF), Border Security Force (BSF), and the Indian Army. So far, 5,581 people have been safely evacuated using helicopters and boats.

Governor Kataria visited several flood-affected areas to assess the ongoing rescue and relief efforts

Governor Kataria expressed satisfaction with the coordination between the administration and social service organizations. He acknowledged their critical role in providing relief to flood victims. He praised the collective efforts of all stakeholders and stated, "The entire cabinet, including Chief Minister Bhagwant Singh Mann and MLAs, are working tirelessly to support the people. The unity shown by Punjabis during this crisis is truly commendable."

The Governor also shared that he had spoken with Union Home Minister Amit Shah regarding the flood situation, and Prime Minister Narendra Modi had personally contacted Chief Minister Mann to get an update. The Central Government has assured all possible assistance. Furthermore, Union Agriculture and Rural Development Minister Shivraj Singh Chouhan is expected to visit the flood-affected areas tomorrow.

Highlighting the post-flood challenges, Kataria said, "Once the water recedes, the real work will begin — rehabilitation, damage assessment, and compensation for affected families and farmers." He stressed the need for deploying medical teams across the region to prevent the spread of water-

15 doctors provide aid to flood victims

Ferozepur: A 15-member team of specialist doctors from Dayanand Medical College and Hospital (DMC), Ludhiana, arrived in Ferozepur today to provide much-needed medical care to the flood-affected residents. The team, led by renowned cardiologist Dr. Bishav Mohan, included experts from various fields, including cardiology, dermatology, chest diseases, and general medicine.

The medical team set up health camps at Rukne Wala, Bagelwala, and Jalloke Morh, where they examined flood victims, conducted necessary medical tests, and distributed free medicines. The camps were organized to address the immediate health needs of the flood-affected population, who have been struggling with injuries, waterborne diseases, and other health complications due to the ongoing floods.

In a unique and life-saving effort, the DMC team also used boat ambulances to reach patients stranded on rooftops in flood-hit areas. These boat ambulances allowed the medical team to provide on-the-spot medical attention to those who were otherwise inaccessible due to the rising waters.

Dr. Bishav Mohan, who led the team, stated, "While the Health Department is already extending its full support, DMC Ludhiana has felt it is our moral duty to contribute to this humanitarian cause.

पठानकोट

आसरा और विश्वास की छांव बने राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया।

“पठानकोट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचकर की पीड़ा साझा, राहत व पुनर्वास का दिलाया भरोसा

पठानकोट, 3 सितंबरः आपदा में जनता के बीच पहुँचे राज्यपाल

बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे ज़िला पठानकोट के प्रभावित गाँवों में जब पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया पहुँचे, तो पीड़ित परिवारों की आँखों में पहली बार उम्मीद की चमक दिखी। उन्होंने स्वयं रावी दरिया के उफनते जल का निरीक्षण किया, कथलौर पुल और माधोपुर हैडवर्क्स का जायज़ा लिया और हालात की गंभीरता को प्रत्यक्ष देखा।

संवेदनाओं से जुड़ा संवाद

राज्यपाल ने प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी पीड़ा सुनी। बुज़ुर्गों, महिलाओं और बच्चों के सामने बैठकर उन्होंने कहा –

"आप अकेले नहीं हैं, सरकार आपके साथ खड़ी है। हर संभव मदद और पूरा मुआवज़ा आपको मिलेगा। यह मेरी जिम्मेदारी है।"

उनके ये शब्द पीड़ितों के लिए हौसले और संबल का सहारा बने।

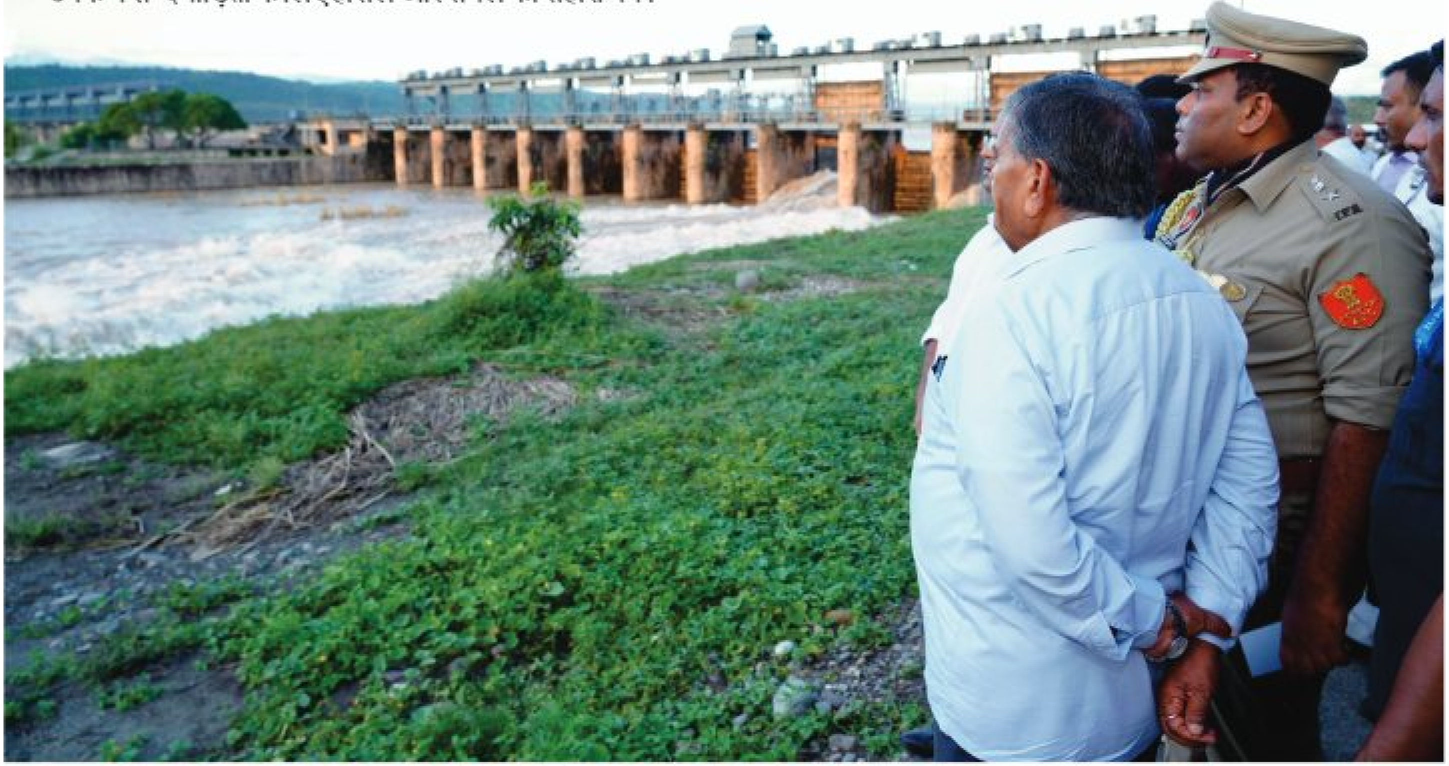

राहत और पुनर्वास पर विशेष बल

श्री कटारिया ने आश्वस्त किया कि प्रभावित परिवारों को न केवल तात्कालिक राहत दी जाएगी, बल्कि उनके पुनर्वास के लिए भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि दवाइयों, एंटी-स्नेक वेनम और आवश्यक सामग्री की कोई कमी न रहे और हर व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुँचे।

पंजाबियों की एकजुटता की सराहना

राज्यपाल ने विशेष रूप से पंजाबियों की उस अद्भुत एकजुटता को रेखांकित किया, जिसने इस आपदा में सबको साथ खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा – "पंजाबियों की यह जुझारू भावना और भाईचारा पूरे देश के लिए मिसाल है। हम सब मिलकर इस संकट को अवश्य पार करेंगे।"

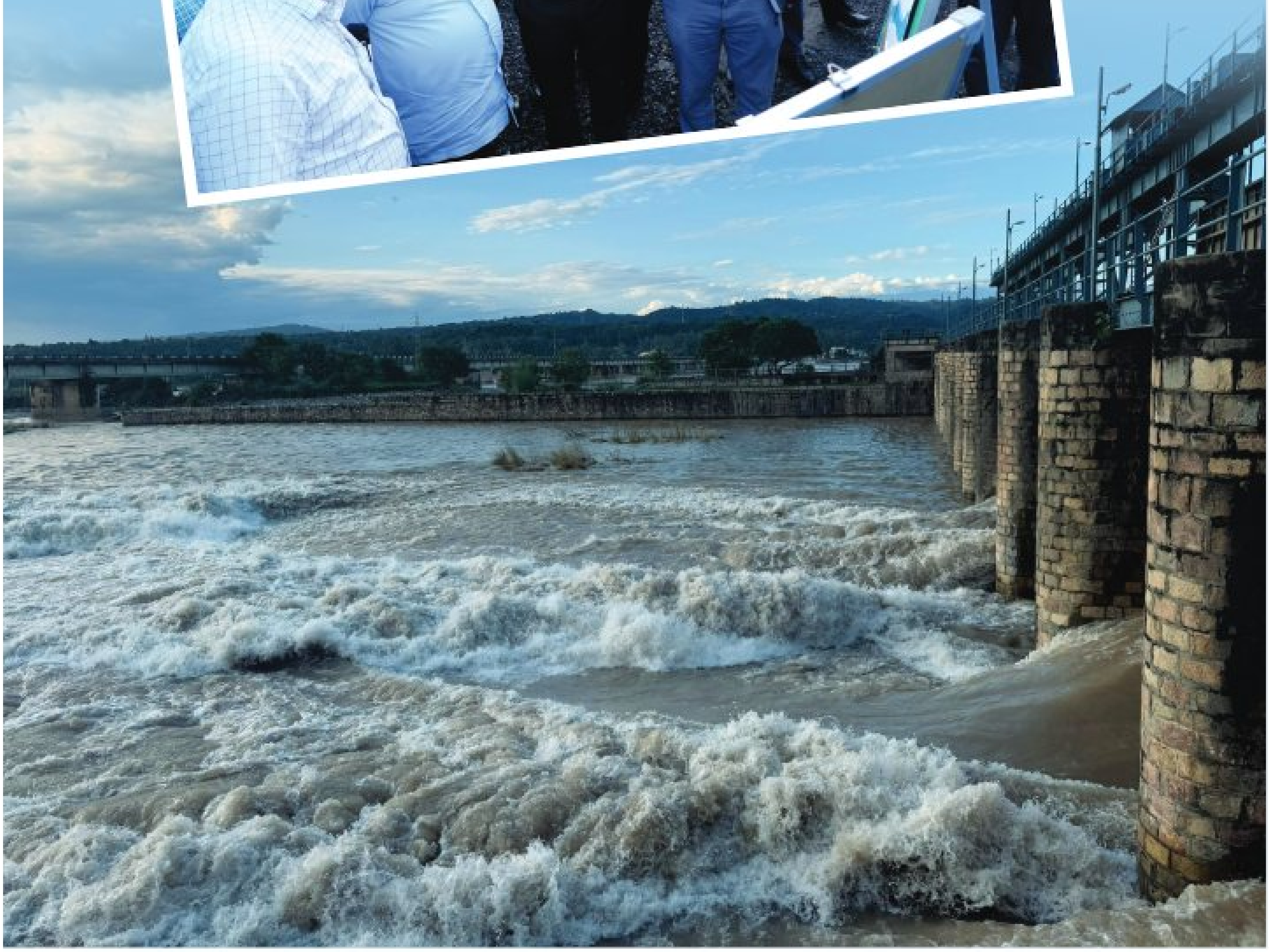

केंद्र सरकार से सतत संवाद

राज्यपाल श्री कटारिया ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से सीधे बात कर बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने यह भी साझा किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान को फोन कर हालात की जानकारी ली और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। राज्यपाल ने आगे कहा कि केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले हैं।

बचाव दलों का अभिनंदन

श्री कटारिया ने पंजाब पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और जिला प्रशासन के उन अदम्य प्रयासों की दिल खोलकर प्रशंसा की, जिन्होंने हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया। उन्होंने कहा कि ड्रोनों और आधुनिक तकनीक की मदद से बाढ़ पर नज़र रखने और त्वरित बचाव सुनिश्चित करने का कार्य वाकई सराहनीय रहा।

समीक्षा और भविष्य की रणनीति

दौरे के अंत में राज्यपाल ने मलिकपुर स्थित जिला प्रशासनिक परिसर में सेना, प्रशासन और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक चुनौती तब सामने आएगी जब बाढ़ का पानी उतर जाएगा और पुनर्वास का कार्य आरंभ होगा।

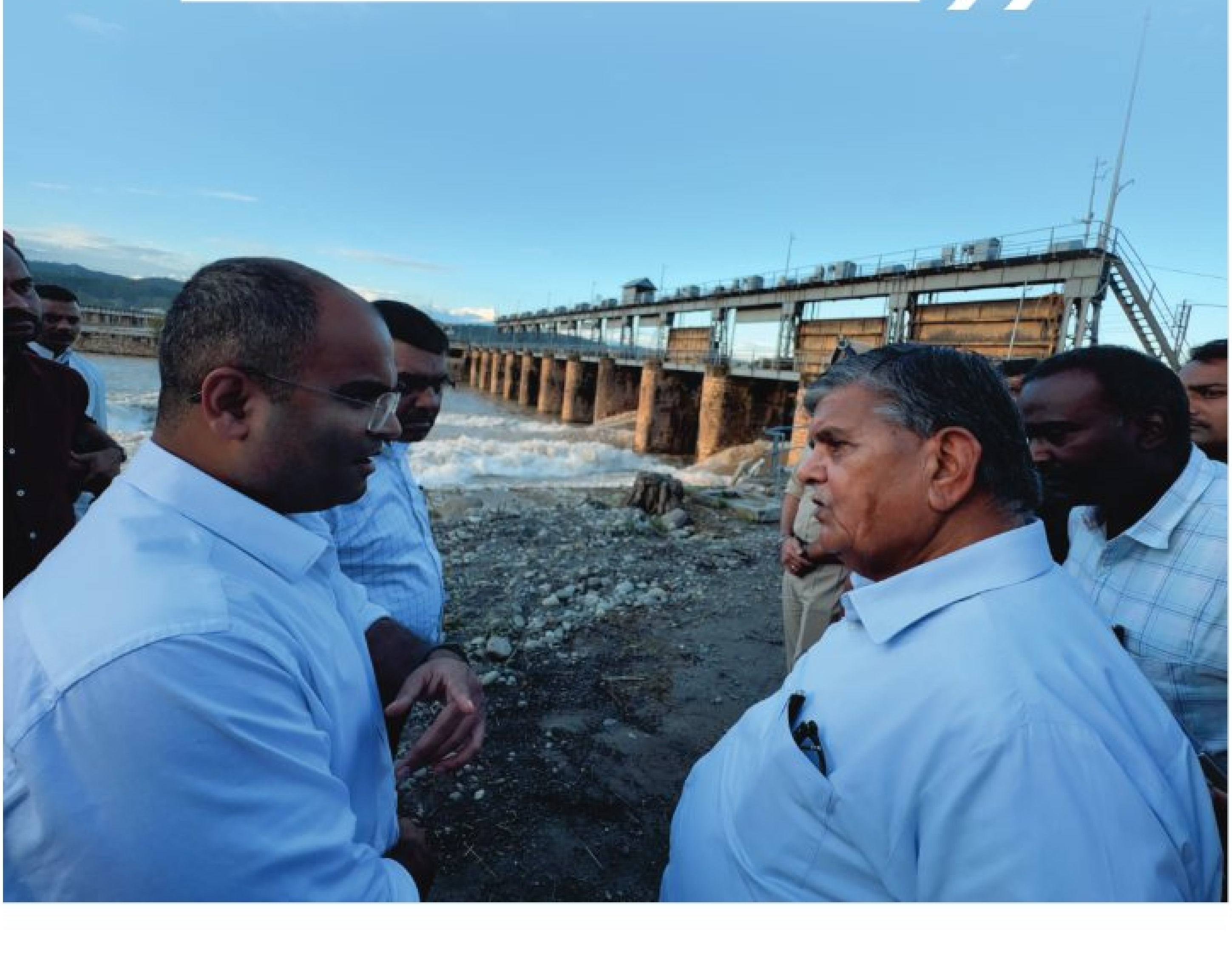

राज्यपाल ने किया डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर व पठानकोट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

कहा-प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए पंजाबियों की एकजुटता की कोई मिसाल नहीं

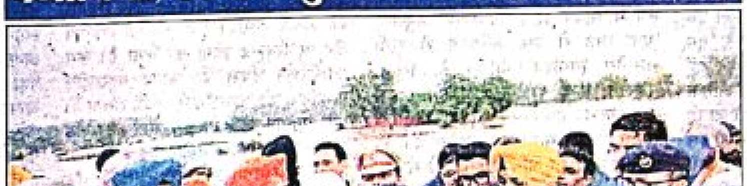

डेरा बाबा नानक में करतारपुर साहिब कारिडोर में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया बातचीत करते हुए। (छाया : हीरा सिंह मांगट)

डेरा बाबा नानक/ गुरदासपुर/ तारागढ़/ माधोपुर, 3 सितम्बर (हीरा सिंह मांगट/ चक्करराजा/ सोहन लाल/ मेहरा): पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा जिला गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र डेरा बाबा नानक, कलानौर व बहिरामपुर का दौरा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे बचाव व राहत कार्यों का जायज़ा लिया। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया जब डेरा बाबा नानक में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के नज़दीक जब बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायज़ा ले रहे थे तो जिलाधीश गुरदासपुर दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि कई स्थानों से रावी दरिया का धुस्सी बांध टूटने के कारण जिला गुरदासपुर के मकौड़ा पत्तण, गाहलड़ी, दोरांगला, कलानौर व डेरा बाबा नानक क्षेत्र के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी आने पर ज़िला प्रशासन द्वारा स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ, बीएसएफ व भारतीय सेना के सहयोग से तुरंत बचाव कार्य शुरू कर 5581 व्यक्तियों को हैलीकॉप्टर व किश्तियों के ज़रिये बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अवसर पर अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि बाढ़ की इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित समूचा मंत्रिमंडल व विधायक भी राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ की आपदा से निपटने के लिए जैसे समूह पंजाबियों ने एकजुटता दिखाई है, वह अपने आपमें मिसाल है। गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि उनकी केन्द्रीय

शेष पृष्ठ 4 पर

राज्यपाल ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

गुरदासपुर (जगमार्ग न्यूज़)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक, कलानौर और बहरामपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने पं... सरकार के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया जब डेरा बाबा नानक में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के निकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे, तो गुरदासपुर के डीसी दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें बताया कि रावी दरिया के धुस्सी बांध कई स्थानों पर टूटने के कारण जिला गुरदासपुर के मकौड़ा पत्तन, गाहलड़ी, . दोरांगला, कलानौर और डेरा बाबा नानक क्षेत्रों के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। राज्यपाल ने ...हरामपुर में बीएसएफ, सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों के ...थ बैठक कर क्षेत्र में राहत व बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मकौड़ा पत्तन से आगे के गांवों के निवासियों ने पंजाब के राज्यपाल को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और मकौड़ा पत्तन में रावी दरिया पर एक स्थायी पुल के निर्माण की भी मांग की। राज्यपाल ने क्षेत्रवासियों की इन मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने किया डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर व पठानकोट के बाढ़ प्रभावित...

गुरदासपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों संबंधी अधिकारियों से जानकारी लेते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया।

पठानकोट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे के दौरान जानकारी लेते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। (छाया : विनोद)

गृह मंत्री अमित शाह के साथ बात हुई है और उन्हें बाढ़ की स्थिति से अवगत करवाया है। उन्होंने पानी से होने वाली बीमारियों के फैलने को रोकने के लिए अधिक से अधिक स्थानों पर मैडीकल टीमें तैनात करने की तुरंत ज़रूरत पर बल दिया। इस दौरान उन्होंने ज़िला प्रशासन द्वारा सरकारी मिडल स्कूल नड़ांवाली में स्थापित किए राहत कैम्प का दौरा भी किया और बेघर हुए परिवारों से मुलाकात कर उन्हें दी जा रही सुविधाओं व उनके पशुओं की सुरक्षा संबंधी पूछताछ की। स्थानीय निवासियों ने सक्की नाला (जिसे किरन नाला भी कहा जाता है) से स्थाई राहत की भी अपील की। इस अवसर पर विधायक गुरदीप सिंह रंधावा द्वारा राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों के नुकसान की पूर्ति के लिए केन्द्र सरकार से मदद दिलाने के लिए मांग-पत्र भी सौंपा गया। इस अवसर पर सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक गुरदीप सिंह रंधावा, राज्यपाल पंजाब के प्रिंसीपल सचिव वी.पी. सिंह, जिलाधीश दलविंदरजीत सिंह, डीआईजी नानक सिंह, पुलिस प्रमुख बटाला सोहेल कासिम मीर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

राज्यपाल द्वारा दीनानगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा लोगों को हरसम्भव सहायता का दिया आश्वासन

गुरदासपुर, 3 सितम्बर (चक्करराजा): राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा आज जिला गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित बहरामपुर क्षेत्र का दौरा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों का जायज़ा लिया। इस अवसर पर जिलाधीश दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें स्थिति से अवगत करवाते हुए बताया कि कई स्थानों से रावी दरिया का धुस्सी बांध टूटने के कारण जिला गुरदासपुर के मकौड़ा पत्तण, गाहलड़ी, दोरांगला, कलानौर व डेरा बाबा नानक क्षेत्र के 324 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इन गांवों में जि... प्रशासन द्वारा स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ, बीएसएफ व भारतीय सेना... तुरंत राहत कार्य शुरू कर 5581 व्यक्तियों को हैलीकॉप्टर व किश्... ज़रिये सुरक्षित बाहर निकाला गया। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि हम सभी मिलकर इस संकट पर ज़रूर काबू पा लेंगे। राज्यपाल द्वारा पानी से होने वाली बीमारियों के फैलने से रोकने के लिए अधिक से अधिक स्थानों पर मैडीकल टीमें तैनात करने की ज़रूरत पर बल दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय लोगों द्वारा किरन नाले की सफाई, मकौड़ा पत्तन पर रावी दरिया पर पक्का पुल बनाने की मांग करने पर राज्यपाल द्वारा कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रिंसीपल सचिव वी.पी. सिंह, जिलाधीश गुरदासपुर दलविंदरजीत सिंह, डीआईजी नानक सिंह, जिला पुलिस प्रमुख आदित्य, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर डा. हरजिंदर सिंह बेदी व अन्य मौजूद थे।

कटारिया ने पठानकोट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

तारागढ़/ माधोपुर, (सोहन लाल/ मेहरा): पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि पंजाब सरकार और केन्द्र दोनों पंजाब के लोगों को हरसम्भव सहायता पहुंचाने के लिए वचनबद्ध हैं। उन्होंने आज जिला पठानकोट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। ब्लाक बमियाल में रावी दरिया पर बने पुल पर बातचीत करते हुए कटारिया ने कहा कि राहत व पुनर्वास के लिए हरसम्भव कदम उठाए जा रहे हैं। उनको कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, डीसी आदित्य उप्पल और एसएसपी दलजिंदर सिंह ने पठानकोट में बनी बाढ़ की स्थिति से अवगत करवाया।

BHASKAR

गवर्नर कटारिया से कैबिनेट मंत्री ने 6 किमी धुस्सी बांध बनाने की मांग

पठानकोट | पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को बाढ़ ग्रस्त भारत-पाक सीमा से लगते गांवों का दौरा किया और वहां के लोगों से मिलकर हलात का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने माधोपुर हेडवर्क्स का दौरा भी किया और वहां पर हेडवर्क्स के गेटों का मुआयना किया।

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारुचक्क ने गवर्नर से मिलकर पंजाब का 60 हजार करोड़ रुपए का रुका फंड केंद्र से जारी करवाने और रावी दरिया किनारे 6 किलोमीटर लंबा धुस्सी बांध बनाने की मांग की। गवर्नर ने प्रभावित परिवारों के राहत और पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठाने का भरोसा दिया। गवर्नर ने बताया कि 4 सितंबर को केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। गवर्नर ने कहा कि पंजाब आज संकट में है बाढ़ के कारण कुछ जिलों में लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हुआ है। ऐसी स्थिति में पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों पंजाब के लोगों को हर संभव मदद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, नुकसान की विस्तृत जांच के बाद प्रभावित परिवारों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा।

केंद्र सरकार संकट की घड़ी में पंजाब के साथ : राज्यपाल

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए। (नरेश)

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

सवेरा न्यूज निखिल/रवि/आनंद/नोना

गुरदासपुर/बटाला, 3 सितंबर : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक, कलानौर और बेहरामपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया तथा उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की।

कटारिया जब डेरा बाबा नानक में करतारपुर साहिब कॉरिडोर के निकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे थे, तो गुरदासपुर के डीसी दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें बताया कि रावी दरिया के तटबंध कई स्थानों पर टूटने के कारण गुरदासपुर के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी पहुंचने पर जिला प्रशासन ने स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ, बीएसएफ और भारतीय सेना की मदद से तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और हैलीकॉप्टरों व नावों के माध्यम से 5581 लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित निकाला गया।

कटारिया ने कहा कि इस आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित पूरा मंत्रिमंडल और विधायक राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। कटारिया ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और उन्हें बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया गया है। अधिकारियों से मुलाकात करते हुए कटारिया ने कहा कि असली चुनौती बाढ़ का पानी उतरने के बाद शुरू होगी क्योंकि, तब पुनर्वास, फसल औ संपत्ति के नुकसान का आकलन औ समय पर मुआवजे पर ध्यान केंद्रि किया जाएगा।

इस दौरान विधायक गुरदीप सिं रंधावा ने राज्यपाल कटारिया को एक ज्ञापन भी सौंपा। इस दौरान लोकसभा सदस्य सुखजिंदर सिंह रंधावा, राज्यपाल के प्रधान सचिव वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्न दलविंदरजीत सिंह, डीआईजी नानक सिंह, जिला पुलिस प्रमुख बटाला सोहेल कासिम मीर, जिल पुलिस प्रमुख आदित्य, एडीसी डा हरजिंदर सिंह बेदी, एडीसी गुरप्रीत सिंह गिल, एसडीएम डेरा बाब नानक डा. आदित्य शर्मा, एसडीएम कलानौर ज्योत्सना, एसडीएम दीनानगर जसपिंदर सिंह भुल्ल आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

कटारिया बोले- केंद्र संकट में पंजाब के साथ, हरसंभव सहायता का आश्वासन

कटारिया बोले- केंद्र संकट में पंजाब के साथ, हरसंभव सहायता का आश्वासन

गुरदासपुर/ पठानकोट। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक, कलानौर और बहरामपुर और पठानकोट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने पंजाब सरकार के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की।

कटारिया जब डेरा बाबा नानक में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के निकट बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे, तो गुरदासपुर के डीसी दलविंदरजीत सिंह ने उन्हें बताया कि रावी दरिया के धुस्सी बांध कई स्थानों पर टूटने के कारण गुरदासपुर के मकौड़ा पत्तन, गाहलड़ी, दोरांगला, कलानौर और डेरा बाबा नानक क्षेत्रों के 324 गांव बाढ़ के पानी की चपेट में आ गए हैं। संवाद

पठानकोट में माधोपुर हेडवर्क्स का निरीक्षण करते गवर्नर कटारिया। संवाद

Pb guv visits Dera Baba Nanak

Gurdaspur/ Pathankot: Punjab governor Gulab Chand Kataria on Wednesdat visited flood-affected areas of Gurdaspur, Dera Baba Nanak, Kalanaur, Behrampur, and Pathankot, where he reviewed rescue and relief operations. Kataria also reviewed flood-affected area near Kartarpur Sahib Corridor at Dera Baba Nanak. On the occassion, deputy commissioner Gurdaspur, Dalwinderjit Singh, informed him that due to the breach of the embankment of the Ravi River at many places, 324 villages of District Gurdaspur are under water.

Kataria visits flood-affected areas of Pathankot district, inspects Ravi river

SHARANJEET
PATHANKOT, SEPT 3

Punjab is in a crisis today, with floods affecting the lives of people in some districts. In such a situation, both the Punjab Government and the Central Government are committed to providing all possible help to the people of Punjab.

This was stated by Punjab Governor Gulab Chand Kataria today after visiting the flood-affected areas of Pathankot district. It is noteworthy that today, the Honorable Governor of Punjab reached the Kathlor Bridge built on the Ravi River and visited the flood-affected areas, inspected the Ravi River and also reviewed the Madhopur Headworks. Speaking to the media at the bridge built over the Ravi River in Bamiyal block of Pathankot district, Punjab Governor Gulab Chand Kataria said that all possible steps are being taken for the relief and rehabilitation of the affected families. On this occasion, Lal Chand Kataruchak, Cabinet Minister Punjab and Aditya Uppal, Deputy Commissioner Pathankot, Daljinder Singh Dhillon, SSP Pathankot, informed the people about the flood situation in Pathankot district due to the rising water of the Ravi river. He said that the Army, in collaboration with the district administration, is also maintaining complete surveillance of the river with the help of drones so that any emergency situation can be dealt with in a timely manner.

Shri Kataria assured that the Central and State Governments are fully with the people in this hour of crisis. He said that full compensation will be given to the affected families after a detailed investigation of the damage. He said that to deal with this natural disaster of floods, the entire cabinet including Chief Minister Bhagwant Singh Mann and the MLAs are also engaged in relief work.

He said that the solidarity shown by all Punjabis to deal with the flood disaster is an example in itself. He said that he had spoken to Union Home Minister Amit Shah and was apprised of the flood situation. He said that Prime Minister Narender Modi has called Chief Minister Bhagwant Singh Mann to inquire about the flood situation in the state and the central government has assured the Punjab government of all possible support in this flood crisis.

“राजपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ प्रभावित 7 जिलों का दौरा करके केंद्री खेतीबाड़ी मंत्री श्री शिवराज सिंह को रिपोर्ट सौंपी

4 सितंबरः केंद्र का सहयोग सुनिश्चित

राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने इस आपदा की जानकारी केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह को दी थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान से सीधे बात कर हालात की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। राज्यपाल ने यह भी बताया कि अगले दिन केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। श्री कटारिया ने अधिकारियों से कहा कि वास्तविक परीक्षा तब शुरू होगी जब पानी उतर जाएगा क्यूंकि तब ध्यान पुनर्वास, फसल व संपत्ति के नुकसान का आकलन और समय पर मुआवज़ा देने पर केंद्रित करना होगा। उन्होंने अधिक से अधिक मेडिकल टीमें तैनात करने और साँप के काटने से बचाव के लिए दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

The Savera Times

Don't worry, Centre is with you: Shivraj

Union Minister Chouhan visits flood-hit Amritsar, Kapurthala and Gurdaspur

Amritsar: Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare Shivraj Chouhan on Thursday visited Punjab's flood-affected villages in Amritsar, Kapurthala and Gurdaspur districts and interacted with farmers and even went into knee-deep flooded fields to assess the damage to the crops, assuring them that "the BJP-led Central government is with them in this hour of crisis".

During interaction, the farmers told the Union Minister about the huge damage to the crops, mainly paddy, which was about to harvest.

Accompanied by MoS for railways Ravneet Bittu, BJP national general secretary Tarun Chugh and Punjab BJP chief Sunil Jakhar, the Union Minister responded by telling them: "Brothers and sisters you should not worry, the government is with you."

Union Minister Shivraj Singh Chouhan accompanied by MoS for railways Ravneet Bittu, BJP national general secretary Tarun Chugh and Punjab BJP chief Sunil Jakhar visiting flood-hit areas in Amritsar.

"Due to the deluge, crops are submerged and destroyed completely. Around 1,400 villages are completely impacted. The fields are filled with water since August 26. The Ravi water is flowing in the fields. There is no soil under the feet, but silt has accumulated. The current crop has been destroyed, the next crop is also in danger. The pain and loss cannot be estimated," Union Minister Chouhan was quoted as saying.

He said "seeing the situation, the heart melts, but we will definitely get our farmer brothers and sisters out of this problem. It's challenging, but every possible effort will be made and full help will be provided to provide relief".

He said on the directions of Prime Minister Narendra Modi, the Central government has sent two high-level teams, comprising officials from the Ministries of Agriculture, Rural Development, Road, Energy, Finance and Jal Shakti, to assess the situation in Punjab.

He said these teams would visit the affected areas, assess the situation and submit their report to the Central government.

The Union Agriculture Minister said the entire country is proud of Punjab, this state has always stood as a shield for the country in times of crisis.

"I want to say that I have come on the instructions of the Prime Minister and in this hour of crisis, the government is standing firmly with our Punjab, with our farmer brothers and sisters of Punjab, with the people of Punjab. The government will definitely bring the farmers out of this disaster."

Punjab Governor Gulab Chand Kataria submitting detailed report to Union Minister Shivraj Chouhan.

Governor Kataria submits flood report

Amritsar: Punjab Governor Gulab Chand Kataria on Thursday submitted a detailed report on the flood situation in Punjab to Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan at Guru Ram Dass Airport. Sharing his images of submitted report to Shivraj Chohan, the governor stated on 'X': "After visiting the flood-affected districts of Amritsar, Pathankot, Gurdaspur, Tarn Taran, and Ferozepur to assess the ground situation, a detailed flood report was submitted to the Honourable Agriculture Minister Shri Shivraj Singh Chouhan Ji at Amritsar Airport today. The Minister assured all possible assistance." After visiting the flood-hit areas from September 1-4, Governor apprised him about ground realities, highlighting the extensive damage caused to life, property, crops and infrastructure due to floods.

The Savera Fri, 05 September 2025 epaper.thesaveratimes.in/c/78069601

राज्यपाल ने केन्द्रीय कृषि मंत्री को 5 ज़िलों की बाढ़ की स्थिति संबंधी रिपोर्ट सौंपी

राजासांसी, 4 सितम्बर (हरदीप सिंह खीवा): पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा राजासांसी में केन्द्रीय कृषि व किसान भलाई मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पंजाब के 5 ज़िलों में अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन तथा फिरोज़पुर में बाढ़ की स्थिति संबंधी एक विशेष रिपोर्ट सौंपी। राज्यपाल ने केन्द्रीय मंत्री को इन ज़िलों में बाढ़ के कारण हुए जान-माल, फसलों व बुनियादी ढांचे के नुकसान संबंधी अवगत करवाया उन्होंने पंजाब सरकार, ज़िला प्रशासन, सेना, एन.डी.आर.एफ. तथा अन्य एजैंसियों द्वारा साझे तौर पर किये जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों संबंधी भी जानकारी दी।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बाढ़ की स्थिति संबंधी रिपोर्ट सौंपते हुए। (छाया : हरदीप सिंह खीवा)

वर्णनीय है कि पंजाब के राज्यपाल ने 1 से 4 सितम्बर, 2025 तक बाढ़ प्रभावित 5 ज़िलों का दौरा [illegible] ज़मीनी [illegible] निजी तौर [illegible] जायज़ा लिया, प्रभावित परिवारों के साथ बातचीत की तथा राहत कार्यों का जायज़ा लिया।

GUV GIVES REPORT TO CHOUHAN

Punjab governor Gulab Chand Kataria submitted a detailed report on the flood situation in five districts of Punjab—Amritsar, Pathankot, Gurdaspur, Tarn Taran, and Ferozepur—to Union agriculture and farmers welfare minister Shivraj Singh Chouhan. After visiting the flood-affected districts from Sept 1 to 4, the governor apprised Shivraj of the ground realities in these areas, highlighting the extensive damage caused to life, property, crops, and infrastructure due to floods. He also briefed him about the ongoing relief measures being carried out jointly by the Punjab govt, district administrations, Army, NDRF, and other agencies. TNN

राज्यपाल ने पांच जिलों की बाढ़ रिपोर्ट सौंपी

गवर्नर गुलाब चंद कटारिया के साथ शिवराज चौहान। ब्यूरो

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने वीरवार को अमृतसर में पंजाब के पांच बाढ़ प्रभावित जिलों अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन और फिरोजपुर की बाढ़ स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपी। राज्यपाल ने एक से चार सितंबर तक इन जिलों का दौरा किया था।

केंद्रीय मंत्री शिवराज को राज्यपाल कटारिया ने सौंपी 5 जिलों की बाढ़ रिपोर्ट, जमीनी हालात से अवगत कराया

सवेरा न्यूज/अवतार सिंह

अमृतसर, 4 सितंबर : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने 5 जिलों अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन और फिरोजपुर की बाढ़ स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपी। बता दें कि राज्यपाल ने 1 से 4 सितंबर तक इन 5 प्रभावित जिलों का दौरा किया और वहां की वास्तविक व जमीनी स्थिति से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान पंजाब दौरे के दौरान अमृतसर और गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले और उनकी तात्कालिक आवश्यकताओं का आकलन किया। उन्होंने राज्य को राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने हेतु केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान और राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया बातचीत करते हुए।

Chouhan takes stock of flood situation

Surjit Singh
surjit.singh@htlive.com

Union minister Shivraj Singh Chouhan rides a tractor being driven by MoS for railways Ravneet Singh Bittu during his visit to flood-hit areas in Amritsar; and (above) Punjab governor Gulab Chand Kataria handing over a report on flood situation to the agriculture minister. PTI

AMRITSAR: Visiting the flood-affected areas of Punjab on Thursday, Union agriculture and farmers' welfare minister Shivraj Singh Chouhan said Punjab had stood as the shield of the nation, and complete relief will be given to its farmers and other people.

The Union minister went to Ghonewal village in Amritsar district, Begowal in Kapurthala district, and Dharamkot Randhawa and Behrampur villages in Gurdaspur district to take stock of the flood situation. He interacted with the farmers and inspected the crop losses by stepping into water-filled fields. Farmers shared their grievances, citing heavy loss to crops.

After visiting flood-hit districts of Punjab, governor Gulab Chand Kataria also paid a courtesy visit to the Union minister at the Amritsar airport and handed over a detailed report on the floods in five districts of Punjab — Amritsar, Pathankot, Gurdaspur, Tarn Taran and Ferozepur.

The governor apprised the minister about the ground realities in these areas, highlighting the extensive damage caused to life, property, crops and infrastructure due to floods. He also briefed him about the ongoing relief and rehabilitation measures being carried out by the Punjab government.

Chouhan was accompanied by Union minister of state Ravneet Singh Bittu, BJP national general secretary Tarun Chugh and Punjab BJP head Sunil Jakhar. Congress MP from Amritsar Gurjeet Singh Aujla also met him to apprise him of the devastation in the district.

While visiting flood-affected areas, Chouhan acknowledged that the situation was quite grim and the crisis was dreadful. "Floodwater has inundated the fields here since August 26. The water of the Ravi is still flowing into the fields. We will definitely bring our farmer brothers and sisters out of this problem. This is challenging, but every possible effort will be made and complete help will be provided to deliver relief," the minister assured.

The minister said on the instructions of Prime Minister Narendra Modi, the central government had sent two high-level teams to Punjab to assess the situation. He said these teams will assess the situation and submit their report to the Prime Minister. The state government will also conduct its own assessment.

Later Punjab agriculture minister Gurmeet Singh Khudian on Thursday met Chouhan and sought immediate assistance for flood relief. Khudian told Chouhan that 4 lakh acres of the agricultural land is submerged under water. "Paddy is the worst-affected crop," Khudian said adding that crop damage compensation at ₹6,800 per acre was insufficient. He urged the central government to increase this compensation to at least ₹50,000 per acre. Reacting to the Chouhan wading through floodwaters, Punjab Congress chief Amarinder Singh Raja Warring said mere symbolism without substance will not serve any purpose for the flood-hit people of Punjab.

Governor visits Hoshiarpur's Tanda

HOSHIARPUR: Punjab governor Gulab Chand Kataria visited flood-affected areas of Tanda on Thursday to assess the situation firsthand. He inspected the Rara bridge and the dhussi embankment and interacted with displaced residents.

Central team visits Fazilka

Gaurav Sagar Bhaskar
letterschd@hindustantimes.com

FEROZEPUR: The inter-ministerial central government team, deputed to assess flood-affected areas in Punjab, began its tour from Fazilka on Thursday.

The team met commissioner Manjit Singh Brar, deputy commissioner Amarpreet Kaur Sandhu, and SSP Gurmeet Singh and toured the flood-affected areas. As many as 77 villages have been affected by floods in the district, damaging crops over 17,786 hectares.

The delegation travelled by boat to villages across the Sutlej creeks. The team comprised Sudeep Dutta, under secretary, ministry of rural development, Lakshman Ram Buldak, director, agriculture; Prakash Chand, deputy director, ministry of jal Shakti, and RK Tiwari, CEA, ministry of power.

The team also inspected Noor Shah, Ghurka, Kawanwali Patan, and adjoin[illegible] areas. The team will vis[illegible] ozepur on Friday, fo[illegible] by Tarn Taran on Satu[illegible]

Meanwhile, as many [illegible] villages in Ferozepur and [illegible] villages in Fazilka remained under flood waters. Ferozepur civil surgeon Dr Rajwinder Kaur said, "The health department teams have so far organised 576 medical camps, providing medicines to over 12,000 patients affected by floods in the district."

होशियारपुर

"आपदा की घड़ी में संवेदनशील नेतृत्व

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का टांडा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

होशियारपुर, 4 सितंबरः

बाढ़ से तबाह हुए टांडा क्षेत्र में जब राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया पहुँचे, तो वहाँ के ग्रामीणों और प्रभावित परिवारों के चेहरों पर आशा की एक नई किरण जगमगाने लगी। राज्यपाल ने सबसे पहले रड़ा पुल का निरीक्षण किया और धुस्सी बांध की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। मौके पर मौजूद किसानों से उन्होंने सीधे संवाद किया, उनकी पीड़ा सुनी और समस्याओं को समझा। इसके बाद राज्यपाल श्री कटारिया गांव मियाणी के सरकारी हाई स्कूल पहुंचे, जिसे राहत शिविर में बदला गया था। यहां उन्होंने बाढ़ से विस्थापित परिवारों से मुलाकात की, उनके हालात की जानकारी ली और भरोसा दिलाया कि सरकार हर संभव मदद के लिए उनके साथ खड़ी है। इस अवसर पर उन्होंने राहत कार्यों में जुटी स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओज़) के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की और उनके निःस्वार्थ सेवाभाव की सराहना की।

सरकार की प्रतिबद्धता पर दिया भरोसा

पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में पंजाब सरकार और केंद्र सरकार मिलकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार की पूरी टीम राहत व बचाव कार्यों में लगातार सक्रिय है और केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय टीम भी समय-समय पर दौरे कर हालात का आकलन कर रही है।

राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि प्रभावित क्षेत्रों में ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन द्वारा भेजे जाने वाले मुआवजा प्रस्तावों को वे केंद्र तक पहुँचाकर उनकी स्वीकृति सुनिश्चित करेंगे।

धैर्य और साहस का संदेश

राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि इस बाढ़ ने प्रदेशभर में गंभीर स्थिति उत्पन्न कर दी है, लेकिन सरकार और समाज मिलकर इसका सामना करेंगे। विशेष रूप से होशियारपुर जिला, जो पौंग डैम से छोड़े गए पानी के कारण प्रभावित हुआ है, वहाँ प्रशासन लगातार सक्रिय रहा। वर्तमान में जिले में पाँच राहत शिविर चलाए जा रहे थे, जिनमें लगभग एक हजार लोग शरण लिए हुए हैं। विधायक और जिला प्रशासन की टीमें दिन-रात राहत व बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि धुस्सी बांध की सुरक्षा के लिए ब्यास पुल के समीप दोनों ओर पत्थरों की पिचिंग का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा, ताकि भविष्य में कटाव की समस्या को रोका जा सके। फसलों के नुकसान के साथ-साथ जिन परिवारों के घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

दौरे के दौरान साथ रहे अधिकारी

राज्यपाल के इस दौरे के दौरान विधायक टांडा श्री जसवीर सिंह राजा गिल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, एसएसपी संदीप कुमार मलिक, एडीसी (विकास) श्री निकास कुमार, एसी ओएशी मंडल, एसडीएम श्री परमप्रीत सिंह सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਜਾ ਨੇ ਰਾਜਪਾਲ ਕਟਾਰੀਆ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਮੰਗ ਪੱਤਰ

ਸੁਰਿੰਦਰ ਢਿੱਲੋਂ•ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ

ਟਾਂਡਾ ਉੜਮੁੜ : ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਮੌਜੂਦਾ ਹੜਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਉਭਰਨ ਲਈ ਪੀੜਤਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਵਿਧਾਇਕ ਟਾਂਡਾ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਵੱਲੋਂ ਰਾਜਪਾਲ ਪੰਜਾਬ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੂੰ ਮੰਗ ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਿਆ ਗਿਆ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਮੰਗ ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਣ ਸਮੇਂ ਵਿਧਾਇਕ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਹੜ ਦੇ ਹਾਲਾਤਾਂ ਦੌਰਾਨ ਬਿਆਸ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਟਾਂਡਾ ਦੇ ਪਿੰਡ ਅਬਦੁੱਲਾਪੁਰ, ਫੱਤਾ ਕੁੱਲਾ, ਗੰਦੋਵਾਲ, ਰੜਾ ਮੰਡ, ਟਾਹਲੀ ਪਿੰਡ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਦੌਰਾਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਛੱਡ ਕੇ ਬਾਹਰ ਸੜਕਾਂ ਜਾਂ ਅਸਥਾਈ ਤੌਰ ਤੇ ਬਣਾਏ ਗਏ ਰਾਹਤ ਕੈਂਪਾਂ ਵਿੱਚ ਰਹਿਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਜਾ ਨੇ ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ ਧੁਸੀ ਬੰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਬਿਆਸ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦਾ ਗਾਈਡ ਬੰਨ੍ਹ ਜਿਸ ਦੀ ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਸਾਲਾ ਤੋਂ ਮੁਰੰਮਤ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਉਹ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਟੁੱਟ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ ਇਸ ਗਾਈਡ ਬੰਨ੍ਹ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਕਰਵਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਰਾਸ਼ੀ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹੜ ਪੀੜਤਾਂ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਹਾਇਤਾ ਰਾਸ਼ੀ ਜਾਰੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ।

ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੂੰ ਮੰਗ ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਦੇ ਹੋਏ ਵਿਧਾਇਕ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ।

ਰਾਜਪਾਲ ਵੱਲੋਂ ਟਾਂਡਾ ਦੇ ਹੜ੍ਹ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਇਲਾਕੇ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਹੜ੍ਹ ਪੀੜਤਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕੀਤੀ; ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਹਰ ਸੰਭਵ ਮਦਦ ਦਾ ਭਰੋਸਾ

Governor Gulab Chand Kataria Visits Flood-Affected Areas of Tanda

Daljeet Ajnoha
Wednesday/Times

Hoshiarpur/ September 4/ Punjab Governor Gulab Chand Kataria today visited the flood-affected areas of Tanda and reviewed the situation on the ground. He first inspected the Rarh Bridge and assessed the condition of the Dhussi Bundh, while also interacting directly with farmers to hear their concerns. Later, he visited the relief camp set up at Government High School, Miani, where he met flood-affected people and took stock of their situation. The Governor also held discussions with representatives of various voluntary organizations (NGOs) engaged in relief work and appreciated their services. On this occasion, Deputy Commissioner Aashika Jain gave a detailed presentation through PPT about the flood situation in the district. Talking to the media, Governor Kataria said that in this hour of crisis, the Punjab Government and the Central Government are standing firmly with the affected people. He added that while the Punjab Government's entire team is working round the clock on rescue and relief operations, the Union Agriculture Minister and Central teams are also regularly visiting the flood-hit areas. He emphasized that concrete measures will be taken to further strengthen the drainage system in the flood-affected areas. The compensation proposals sent by the district administration will be forwarded by him, as the Central Government's representative, to ensure approval at the national level. The Governor said the floods have created a serious situation across Punjab. Relief material is being delivered to temporary shelters in affected areas. In particular, Hoshiarpur district, which has been impacted due to the release of water from Pong Dam, is witnessing continuous efforts from the administration. At present, five relief camps are running in the district, accommodating nearly one thousand people. Teams of MLAs and the district administration are working day and night on rescue and relief operations. He also announced that a proposal would be sent for stone pitching on both sides near the Beas Bridge to protect the Dhussi Bundh and prevent future erosion. In addition, he said that along with crop damage, people whose houses have been affected by the floods will also be provided benefits under the Pradhan Mantri Awas Yojana. Among those present on the occasion were Tanda MLA Jasvir Singh Raja Gill, Principal Secretary to Governor V.P. Singh, Deputy Commissioner Aashika Jain, SSP Sandeep Kumar Malik, ADC (Development) Nikas Kumar, Assistant Commissioner Oishee Mandal, SDM Tanda Parampreet Singh, SP Dr. Mukesh, along with other administrative and police officials.

ਹੜ੍ਹ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਇਲਾਕਿਆਂ 'ਚ ਡਰੇਨੇਜ ਸਿਸਟਮ ਦੀ ਮਜ਼ਬੂਤੀ ਲਈ ਚੁੱਕੇ ਜਾਣਗੇ ਠੋਸ ਕਦਮ

ਰਾਜਪਾਲ ਵੱਲੋਂ ਹੜ੍ਹ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਦੌਰਾ, ਪੀੜਤਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਸੰਭਵ ਮਦਦ ਦਾ ਦਿੱਤਾ ਭਰੋਸਾ

दैनिक सवेरा टाइम्स

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने टांडा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

प्रभावितों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया

कहा, संकट की इस घड़ी में पंजाब व केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ लोगों के साथ है खड़ी

ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਜਾ ਗਿੱਲ ਨੇ ਹੜ੍ਹ ਪੀੜਤਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਲਈ ਰਾਜਪਾਲ ਨੂੰ ਮੰਗ-ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਿਆ

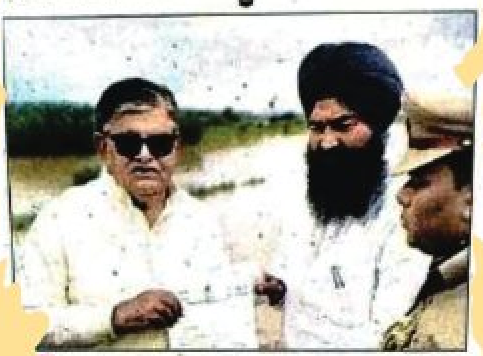

ਵਿਧਾਇਕ ਟਾਂਡਾ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਗਿੱਲ ਰਾਜਪਾਲ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੂੰ ਮੰਗ-ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਦੇ ਹੋਏ। ਤਸਵੀਰ : ਮੁਲਤਾਨੀ

ਮਿਆਣੀ, 4 ਸਤੰਬਰ (ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਮੁਲਤਾਨੀ)-ਪੰਜਾਬ ਵਿਚ ਮੌਜੂਦਾ ਹੜ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਉੱਭਰਨ ਲਈ ਪੀੜਤਾਂ ਦੀ ਮਦਦ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਵਿਧਾਇਕ ਟਾਂਡਾ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਗਿੱਲ ਵਲੋਂ ਰਾਜਪਾਲ ਪੰਜਾਬ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੂੰ ਮੰਗ-ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਿਆ ਗਿਆ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੇ ਨਾਂਅ 'ਤੇ ਮੰਗ-ਪੱਤਰ ਸੌਂਪਣ ਸਮੇਂ ਵਿਧਾਇਕ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਗਿੱਲ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮੌਜੂਦਾ ਹੜ੍ਹ ਦੇ ਹਾਲਾਤਾਂ ਦੌਰਾਨ ਬਿਆਸ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਟਾਂਡਾ ਦੇ ਪਿੰਡ ਅਬਦੁੱਲਾਪੁਰ, ਛੌਂਡਾ ਗੁੱਲਾ, ਰੜਾ ਮੰਡ, ਗੰਦੂਵਾਲ, ਟਾਹਲੀ, ਸਲੇਮਪੁਰ ਮੰਡ ਬੁਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋਏ ਹਨ ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਛੱਡ ਕੇ ਬਾਹਰ ਸੜਕਾਂ ਜਾਂ ਆਰਜ਼ੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਾਏ ਗਏ ਰਾਹਤ ਕੈਂਪਾਂ ਵਿਚ ਰਹਿਣ ਲਈ ਮਜਬੂਰ ਹੋਣਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਵਿਧਾਇਕ ਰਾਜਾ ਗਿੱਲ ਨੇ ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ [illegible] ਪਹਿਲਾ ਬਿਆਸ ਦਰਿਆ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦਾ ਧੁੱਸੀ ਬੰਨ੍ਹ ਜਿਸ ਦੀ ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਮੁਰੰਮਤ ਨਾ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਉਹ ਕਈ ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਟੁੱਟ ਚੁੱਕਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਕਾਰਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿਚ ਵੱਡੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਭਰ ਗਿਆ ਹੈ ਤੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੰਗ ਕੀਤੀ ਕਿ ਇਸ ਧੁੱਸੀ ਬੰਨ੍ਹ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ ਕਰਵਾਉਣ ਵਾਸਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਪੈਕ ਰਾਸ਼ੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਨਾਂਅ 'ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹੜ੍ਹ ਪੀੜਤਾਂ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਹਾਇਤਾ ਰਾਸ਼ੀ ਜਾਰੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਰਾਜਪਾਲ ਪੰਜਾਬ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਨੇ ਵਿਧਾਇਕ ਜਸਵੀਰ ਸਿੰਘ ਰਾਜਾ ਨੂੰ ਭਰੋਸਾ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਉਪਰਾਲੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने टांडा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

प्रभावितों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया

कहा, संकट की इस घड़ी में पंजाब व केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ लोगों के साथ है खड़ी

पंजाब केसरी

होशियारपुर/सत्जीत अजनोहा

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज टांडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले रढ़ा पुल का निरीक्षण कर ... की बांध की स्थिति का आकलन ... किसानों से सीधे संवाद ... की समस्याएं सुनी। इसके ... ने गांव मियानी के सरकारी हाई स्कूल में बनाए गए राहत शिविर पहुंचे, जहां बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनके हालात की जानकारी ली। उन्होंने राहत कार्यों में जुटी विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओज) के प्रतिनिधियों से भी मिलना-मिलाप किया और उनकी सेवाओं की सराहना की। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने उनको पीपीटी के माध्यम से जिले की बाढ़ संबंधी से विस्तार से परिचित करवाया। पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल कटारिया ने कहा कि इस संकट की घड़ी में पंजाब सरकार और केंद्र सरकार पूरी मजबूती के साथ प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि जहां पंजाब सरकार की पूरी टीम बचाव व राहत कार्यों में दिन रात जुटी हुई है, वहीं ... मंत्री व केंद्रीय टीम भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में ड्रेनेज व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा भेजे जाने वाले मुआवजा प्रस्तावों को वे केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर भारत सरकार तक पहुंचाकर उनकी स्वीकृति सुनिश्चित करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि इस बाढ़ से प्रदेशभर में गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में तेजी तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। विशेषकर होशियारपुर जिला, जो पौंग डैम से छोड़े गए पानी के चलते प्रभावित हुआ है, में प्रशासन लगातार सक्रिय है। वर्तमान में जिले में पांच राहत शिविर चल रहे हैं, जहां लगभग एक हजार लोग ठहरे हुए हैं। विधायक और जिला प्रशासन की टीमें दिन-रात राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि धुस्सी बांध की सुरक्षा के लिए ब्यास पु... के समीप ठोकरें और पत्थरों की पिचिं... का प्रस्ताव भेजा जाएगा, जिससे भविष्य में कटाव की समस्या से राहत मिल सके। राज्यपाल ने यह भी कहा कि फसलों के नुकसान के साथ-साथ जिन लोगों के घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने के लिए ... प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर विधायक टा... जसवीर सिंह राजा गिल, राज्यपाल ... डिविजनल सचिव वी.पी. सिंह, डि... कमिश्नर आशिका जैन, एसएस... संदीप कुमार मलिक, एडी... (विकास) निकास कुमार, सहा... कमिश्नर ओएसी मंडल, एसडी... टांडा परमजीत सिंह, एसपी डी. मु... सहित प्रशासनिक व पु... अधिकारी मौजूद थे।

ਅੱਜ ਦੀ ਆਵਾਜ਼

05 Sep 2025 - PAGE 3

ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਰਾਜਪਾਲ ਗੁਲਾਬ ਚੰਦ ਕਟਾਰੀਆ ਵੱਲੋਂ ਟਾਂਡਾ ਦੇ ਹੜ੍ਹ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਪ੍ਰਭਾਵਿਤਾਂ ਨੂੰ ਹਰ ਸੰਭਵ ਮਦਦ ਦਾ ਦਿੱਤਾ ਭਰੋਸਾ

रूपनगर

“ संकट की घड़ी में संवेदना और संकल्प - राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया का रूपनगर दौरा, प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का लिया जायज़ा

रूपनगर, 4 सितंबरः
पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने रूपनगर हैडवर्क्स का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायज़ा लिया। राज्यपाल ने मौके पर जाकर न केवल जल स्तर और सुरक्षा प्रबंधों का आकलन किया, बल्कि स्थानीय प्रशासन व जनता को भरोसा दिलाया कि राहत और पुनर्वास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक

राज्यपाल ने कैनाल रेस्ट हाउस में हल्का विधायक एडवोकेट श्री दिनेश चड्ढा और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों तक सहायता सामग्री समय पर और प्रभावी ढंग से पहुँचे। राज्यपाल ने विशेष रूप से ज़ोर दिया कि पुनर्वास की योजनाएँ जल्द से जल्द लागू हों और लोगों को भोजन, पानी, दवाइयाँ और रहने की जगह जैसी आवश्यक सुविधाएँ तुरंत उपलब्ध कराई जाएँ।

जनता के साहस की सराहना

राज्यपाल ने कहा कि प्रशासन, पुलिस और आम जनता के सामूहिक प्रयासों के कारण बड़े स्तर पर जनहानि टली है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के धैर्य और सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंजाब की जनता ने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और एकजुटता की मिसाल पेश की है।

इस अवसर पर विधायक टांडा श्री जसवीर सिंह राजा गिल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री वी.पी. सिंह, डिप्टी कमिश्नर श्री वरजीत वालिया, डीआईजी रूपनगर रेंज श्री हरचरण सिंह भुल्लर, एसएसपी श्री गुलनीत सिंह खुराना, एसएसपी (रूरल) श्री संदीप कुमार मलिक, एडीसी (विकास) श्री निकास कुमार, एसी ओएशी मंडल, एसडीएम श्री परमप्रीत सिंह, आईएएस अंडर ट्रेनिंग श्री अभिमन्यु मलिक, एसपी श्री चंद सिंह, एसपी श्री गुरदीप सिंह गोसल सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ढाँचागत मज़बूती के लिए कदम

राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ड्रेनेज व्यवस्था को और मज़बूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन द्वारा भेजे जाने वाले मुआवज़े के प्रस्तावों को वे भारत सरकार तक पहुँचाकर उनकी स्वीकृति सुनिश्चित करेंगे।

अपने दौरे के दौरान राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया गुरुद्वारा श्री कतलगढ़ साहिब, श्री चमकौर साहिब भी पहुँचे, जहाँ उन्होंने नतमस्तक होकर सरबत के भले की अरदास की।

दैनिक भास्कर

गवर्नर ने रोपड़ हेडवर्क्स का दौरा किया, बाढ़ पीड़ितों को मदद का आश्वासन दिया

बोले- प्रभावित इलाकों में मजबूत ड्रेनेज सिस्टम के लिए उठाए जाएंगे ठोस कदम

रोपड़ हेडवर्क्स के दौरे के दौरान गवर्नर कटारिया के साथ विधायक चड्ढा।

विधायक ने तत्काल राहत फंड, रोपड़ को रिपेरियन क्षेत्र घोषित करने की मांग की

पंजाब केसरी

Roopnagar Kesari
Sep 05, 2025

पंजाब केसरी

बाढ़ ने पूरे राज्य में गंभीर स्थिति पैदा की, सरकारें मदद के लिए लोगों के साथ खड़ी हैं : कटारिया

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने रूपनगर हेडवर्क्स का दौरा किया

राज्य और केंद्र सरकार नुक्सान की हर भरपाई करेगी : राज्यपाल

हेडवर्क्स का दौरा करते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। (राजू/राकेश)

सवेरा न्यूज/अश्विनी (टांडा उड़मुड़): राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने टांडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रड़ा पुल का निरीक्षण कर घुस्सी बांध की स्थिति का आकलन किया और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी।

सवेरा न्यूज/कैलाश

रूपनगर, 4 सितंबरः राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए रूपनगर हैडवर्क्स का दौरा किया।

इस दौरान डिप्टी कमिश्नर रूपनगर वरजीत वालिया, एसएसपी गुलनीत सिंह खुराना, विधायक दिनेश चड्ढा, डीएसपी राजपाल

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए किया रूपनगर का दौरा

सिंह गिल व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। कटारिया ने बताया कि वह बाढ़ से प्रभावित 7वें जिले का दौरा कर रहे है। उन्होंने बताया कि फिरोजपुर, पठानकोट, अमृतसर में जा चुके है। सबसे अधिक नुक्सान गुरदासपुर व अमृतसर में हुआ है।

उन्होंने बताया कि पठानकोट में बाढ़ के कारण 9 लोगों की मृत्यु हुई है। उन्होंने बताया कि फसलों और पशुधन का अधिक नुक्सान हुआ है और पानी उतरने के बाद ही सही नुक्सान का पता लग सकेगा। उन्होंने कहा कि इस बार पंजाब में विकराल समस्या आई है। उन्होंने बताया कि पंजाब में हुए नुक्सान का जायजा लेने के लिए केंद्र की टीम यहां पहुंच चुकी है। राज्य और केंद्र सरकार नुक्सान की हर भरपाई करेगी।

केंद्र से 60,000 करोड़ रुपये की धनराशि तत्काल जारी करने की मांग

विधायक दिनेश चड्ढा ने विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को ज्ञापन सौंपा

जगमार्ग न्यूज

रूपनगर। रूपनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एडवोकेट दिनेश चड्ढा ने पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को एक ज्ञापन सौंपकर रूपनगर जिले के बाढ़ पीड़ितों के लिए तत्काल राहत राशि जारी करने और भाखड़ा बांध से संबंधित लंबे समय से लंबित मुद्दे का समाधान निकालने की मांग की है। विधायक चड्ढा ने कहा कि रूपनगर जिला सतलुज नदी, भाखड़ा बांध और गोबिंद सागर झील के किनारे स्थित है और इसलिए हर साल भारी जल दबाव और नदी की बाढ़ से ग्रस्त रहता है। भाखड़ा बांध, जिसे आधुनिक भारत का मंदिर कहा जाता था, राजस्थान और हरियाणा को सिंचाई का पानी प्रदान करता है, लेकिन बांध क्षेत्र में स्थित रूपनगर को आज तक सिंचाई का पानी नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि बांध बनने के बाद से जिले के किसानों को नदी किनारे भूस्खलन, खेतों में जलभराव और बाढ़ की विभीषिका झेलनी पड़ी है, लेकिन किसी भी सरकार ने क्षेत्र को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया। अब पहली बार पंजाब सरकार ने इस मामले में व्यवहार्यता अध्ययन का ठेका दिया है, इसलिए केंद्र सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर इस योजना को जमीनी स्तर पर लाना चाहिए। विधायक ने राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार से बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, पुनर्निर्माण और मुआवजे के लिए तत्काल राहत राशि जारी करने की अपील की। चड्ढा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पहले ही केंद्र सरकार को पत्र लिखकर पंजाब को मिलने वाली लगभग 60,000 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की मांग कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के इस नाजुक समय में केंद्र सरकार को यह लंबित राशि तुरंत जारी करनी चाहिए और राहत कार्यों व पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए, ताकि बाढ़ के कारण विस्थापित हुए लोगों को न्याय मिल सके और पंजाब के साथ हो रहा अन्याय समाप्त हो सके।

लंबे समय से सतलुज नदी, भाखड़ा और गोबिंद सागर झील के प्रभाव में रहे रूपनगर हलके को रिपेरियन क्षेत्र का अधिकार देने के लिए आज तक किसी भी विधायक ने आवाज नहीं उठाई। लेकिन रूपनगर विधायक दिनेश चड्ढा ने पहली बार रूपनगर जिले को रिपेरियन क्षेत्र के रूप में विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने की मांग उठाई है।

किसान वीरों के 200 पशुओं की जांच की

पट्टी (जगमार्ग न्यूज)। गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र तरनतारन ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र बूह में पशु कल्याण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में, कैबिनेट मंत्री पंजाब लालजीत सिंह भुल्लर, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल और निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. रविंदर सिंह ग्रेवाल की उपस्थिति में, क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित किसान वीरों के लगभग 200 पशुओं की जाँच और निःशुल्क उपचार किया गया। इसके अलावा, ऑल फीड मिलर एसोसिएशन, पंजाब द्वारा बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए भेजा गया पशु आहार किसान वीरों को दिया गया। के. वी. के. तरनतारन ने किसान वीरों को मक्के का अचार वितरित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले दिनों क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, बूह का पशुधन शेड किसान नायकों को उपलब्ध कराया था ताकि वे इस कठिन समय में अपने पशुओं की देखभाल कर सकें।

राज्यपाल ने टांडा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, मदद का दिया भरोसा

टांडा/होशियारपुर/रोपड़। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार को टांडा व रोपड़ हेड वर्क्स पहुंचकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले रड़ा पुल का निरीक्षण कर धुस्सी बांध की स्थिति का आकलन किया और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी।

प्रशासन नुकसान का बनाए पूरा रिकार्ड केंद्र सरकार को भेजेंगे रिपोर्ट : कटारिया

राज्यपाल ने रोपड़ हेडवर्क्स में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ़

“पंजाब राजभवन से बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत सामग्री रवाना

चंडीगढ़, 5 सितम्बर 2025

पंजाब की परंपरा हमेशा से सेवा और सहयोग की रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब राजभवन से रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब की ओर से तैयार की गई 9 ट्रकों में राहत सामग्री को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री उन परिवारों और पशुओं तक पहुँचेगी जो हालिया बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

राज्यपाल श्री कटारिया ने इस अवसर पर कहा कि बाढ़ जैसी आपदाएँ केवल प्राकृतिक चुनौती नहीं होतीं, बल्कि यह समाज की सामूहिक संवेदनशीलता और कर्तव्य-बोध की परीक्षा भी होती हैं। उन्होंने कहा – “बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत और सहायता पहुँचाना समाज का नैतिक कर्तव्य है। रेड क्रॉस और विभिन्न संगठनों का सहयोग पंजाब की सेवा और मानवीय मूल्यों की परंपरा को और सशक्त बनाता है।” उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में उन्होंने स्वयं सात बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर वहाँ की स्थितियों का आकलन किया। उनके अनुसार, यह समय है कि समाज के सभी वर्ग मिलकर पीड़ित परिवारों का सहारा बनें और उन्हें सामान्य जीवन की ओर लौटने में सहयोग दें।

राहत सामग्री का विवरण

इस राहत सामग्री में फैमिली टेंट, तिरपालें, किचन सेट, कंबल और सात हज़ार से अधिक घरेलू उपयोग की वस्तुएँ शामिल हैं। इन वस्तुओं में राशन, साबुन, सैनिटरी पैड जैसी जरूरी चीजें हैं। इसके साथ ही, एनजीओ के सहयोग से पंजाब रेड क्रॉस ने 100 टन पशु-चारा भी प्रभावित क्षेत्रों में भेजा है, जिससे पशुधन की जरूरतें पूरी की जा सकें।ये 9 ट्रक फिरोज़पुर, अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, कपूरथला, होशियारपुर, रोपड़, लुधियाना, मलेरकोटला और जालंधर जिलों में भेजे गए हैं।

इससे पहले, चंडीगढ़ रेड क्रॉस द्वारा अमृतसर जिले के लिए भी दो ट्रक राहत सामग्री रवाना की गई थी। इनमें घरेलू वस्तुओं की 500 किटें, सैनिटरी पैड किटें और 500 यूनिट बर्तन शामिल थे। इस सतत प्रयास से स्पष्ट है कि रेड क्रॉस की टीम राज्यपाल के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों तक निरंतर राहत पहुँचाने के लिए सक्रिय है।इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह, चंडीगढ़ के उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव, पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव श्री शिव दुलार सिंह ढिल्लों सहित पंजाब राजभवन और रेड क्रॉस सोसाइटी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद, राहत सामग्री भेजी

आईजीपीएल-जीबी लीजेंड्स ने 10 लाख की मदद की, राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने भी बढ़ाए हाथ

चंडीगढ़| इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) और गोल्फ टीम जीबी लीजेंड्स ने पंजाब में बाढ़ का सामना कर रहे लोगों के लिए राहत की पहल की है। उन्होंने 10 लाख रुपए से अधिक की आवश्यक राहत सामग्री से भरे चार ट्रकों को प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना किया। पंजाब के गवर्नर और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने हरी झंडी दिखाई। आईजीपीएल और जीबी लीजेंड्स के 10 मेंबर इस मौके पर मौजूद रहे। इनमें स्टार गोल्फर गगनजीत भुल्लर, उत्तम मुंडी, ईशान डिसूजा, अखिल नायर, गौरव गांधी, जसप्रीत भाईका, अमित सूद, जतिंदर बाजवा, कर्नल हरप्रीत मान और बलविंदर सिंह आदि मौजूद थे।

...ताकि अधिक से अधिक मदद पहुंचे

चंडीगढ़| राष्ट्रीय परशुराम परिषद चंडीगढ़ ने पंजाब में बाढ़ के कारण उत्पन्न हुए गंभीर हालातों के मद्देनजर मानवीय पहल करते हुए बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दवाइयां और खाद्य सामग्री भेजी। संस्था के अध्यक्ष एवं समाजसेवी राजीव अग्निहोत्री ने बताया कि पंजाब के कई क्षेत्रों, विशेषकर अजनाला और गुरदासपुर में लोग बाढ़ की मार से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का भारी नुकसान हुआ है, खाने-पीने तक के साधन समाप्त हो गए हैं। ऐसे समय में उनकी कोशिश है कि अधिक से अधिक मदद इन जरूरतमंदों तक पहुंचे।

राज्यपाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री भेजी

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पंजाब के राज्यपाल और यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की आवश्यक राहत सामग्री से भरे चार मध्यम आकार के ट्रकों को हरी झंडी दिखाई। यह सामग्री पंजाब में बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना की गई है। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) और जीबी लीजेंड्स, जो चंडीगढ़ गोल्फ लीग में भाग लेने वाली प्रमुख गोल्फ टीम है, ने इस विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित नागरिकों के लिए एक व्यापक राहत और पुनर्वास पहल शुरू की है।

राहत सामग्री में 100 पोर्टेबल लोहे के फ्रेम वाले बिस्तर, 650 गद्दे, 500 प्लास्टिक की कुर्सियां, 500 राशन बैग, 150 तिरपाल शीट, 1,000 बैग पशु चारा, सैनिटरी पैड, मेडिकल किट, मच्छरदानी और मच्छर भगाने वाली दवाइयां शामिल हैं। आइजीपीएल और जीबी लीजेंड्स का 10 सदस्यीय दल इस प्रयास के पीछे है। अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल गोल्फर गगनजीत भुल्लर और अन्य ने इस पहल में सक्रिय सहयोग दिया है। गगनजीत भुल्लर ने कहा कि यह केवल राहत के बारे में नहीं है, बल्कि पंजाब के लोगों के कठिन समय में उनके साथ खड़े होने के बारे में है। जीबी लीजेंड्स के कैप्टन कर्नल हरप्रीत सिंह मान ने कहा कि ये आवश्यक वस्तुएं जमीनी स्तर पर मौजूद सहयोगियों द्वारा पहचानी गई जरूरतों के आधार पर जुटाई गई हैं। 50 से अधिक वालंटियर्स इन सप्लाई का वितरण सुनिश्चित करेंगे।

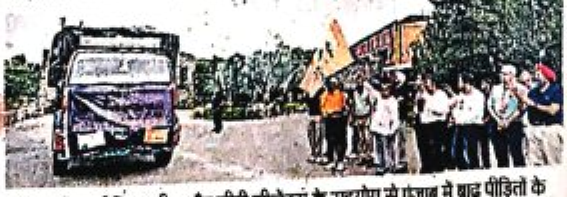

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग और जीबी लीजेंड्स के सहयोग से पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए राजभवन से गाड़ी रवाना की गई • आयोजक

Guv flags off trucks carrying flood relief supply

CHANDIGARH: Punjab governor and UT administrator Gulab Chand Kataria on Friday flagged-off four trucks carrying essential relief supplies worth over ₹10 lakh to the flood-hit areas of Punjab. The material dispatched has been collected with the efforts of the managements of Indian Golf Premier League (IGPL) and GB Legends - which is a front running golf team participating in the prestigious Chandigarh Golf league. **HTC**

IGPL, GB Legends send relief material worth Rs 10 lakh to Punjab flood victims

TDG NETWORK
CHANDIGARH

Indian Golf Premier League (IGPL) and GB Legends have launched a flood relief and rehabilitation initiative to support citizens in Punjab affected by the recent heavy rains and floods. The initiative was formally flagged off today by Punjab Governor Gulab Chand Kataria, who dispatched four medium-sized trucks carrying relief material worth over Rs 10 lakh to the flood-hit districts.

The relief initiative is being coordinated by a 10-member team of IGPL and GB Legends leadership. International golfer Gaganjeet Bhullar, along with Uttam Mundy, Ishan Dsouza, Akhil Nayar, Gaurav Gandhi, Jaspreet Bhaika, Amit Sood, Jatinder Bajwa, Col Harpreet Mann, and Balwinder Singh, is overseeing both mobilization and delivery of aid.

The trucks are carrying a range of supplies identified as immediate requirements by local volunteers and partner organizations. These include 100 portable iron-frame beds, 650 mattresses with covers, 500 plastic chairs, 500 ration bags containing essential food items, 150 tarpaulin sheets, 1,000 bags of animal fodder weighing 30 kilograms each, sanitary pads, medical kits, mosquito nets, and mosquito repellents.

Organizers stated that the initiative is not limited to dispatching relief but also focuses on ensuring proper distribution to the families and livestock affected by the floods. Over 50 volunteers have been deployed to manage delivery and on-ground coordination to ensure the materials reach the identified areas in a timely manner.

Speaking on the occasion, memb[illegible] high-light[illegible]ance was de[illegible]onsultations with relief workers and residents in affected districts. The priority was to provide both immediate sustenance and basic living arrangements for displaced families.

Governor Kataria appreciated the effort and urged more organizations to come forward with similar initiatives to meet the urgent requirements of citizens in Punjab.

The distribution of materials is expected to begin immediately upon the arrival of the trucks in the flood-affected zones. The IGPL and GB Legends teams will continue to coordinate with local partners in the coming days to monitor needs and extend further assistance as required.

चंडीगढ़

“ आपदा प्रबंधन में नई ऊर्जा : पंजाब राजभवन से तीन रेस्क्यू बोट्स का शुभारंभ

चंडीगढ़, 8 सितम्बर 2025

पंजाब के राज्यपाल एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, पंजाब शाखा के अध्यक्ष, श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज एक विशेष समारोह में तीन अत्याधुनिक रेस्क्यू बोट्स को हरी झंडी दिखाकर आपदा राहत कार्यों के लिए रवाना किया। ये बोट्स, डोनेटकार्ट द्वारा क्लाउड फंडिंग से जुटाए गए सहयोग के माध्यम से, मुंबई से विशेष रूप से एयरलिफ्ट कर चंडीगढ़ लाए गए।

अपने संबोधन में श्री कटारिया ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी सदैव आपदा प्रबंधन और पुनर्वास के मोर्चे पर अग्रणी रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन बोट्स की उपलब्धता से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य और अधिक गति और दक्षता से हो पाएंगे। राज्यपाल ने इसे समाज की सामूहिक संवेदनशीलता और सहयोग का प्रतीक बताया।

इनमें से दो रेस्क्यू बोट्स गुरदासपुर और एक होशियारपुर भेजी जाएगी, जहाँ हाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य जारी हैं। राज्यपाल ने भरोसा जताया कि इन साधनों से न केवल त्वरित राहत मिलेगी बल्कि स्थानीय प्रशासन को भी आपदा प्रबंधन में नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

राज्यपाल कटारिया ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए 3 बचाव नौकाओं को किया रवाना

सवेरा न्यूज/धालीवाल

चंडीगढ़, 8 सितंबर : राज्यपाल एवं राज्य रैडक्रॉस के अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए 3 नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाढ़ प्रभावित जिलों में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए इनमें से 2 गुरदासपुर और होशियारपुर में 1 नाव तैनात की जाएगी। भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी, पंजाब शाखा को ऑनलाइन दान मंच, डोनेटकार्ट द्वारा 3 बचाव नौकाएं प्राप्त हुईं। ये नौकाएं क्लाऊड फंडिंग के माध्यम से प्राप्त की गईं, जो जरूरत के समय समाज की सामूहिक शक्ति और करुणा को दर्शाती हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी हमेशा राहत और पुनर्वास प्रयासों में सबसे आगे रही है और इन बचाव नौकाओं के जुड़ने से आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने डोनेटकार्ट के माध्यम से योगदान देने वाले हजारों दानदाताओं द्वारा दिखाई गई उदारता की सराहना की।

राज्यपाल ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए तीन बचाव नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चंडीगढ़। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब शाखा को सोमवार को भारत के विश्वसनीय ऑनलाइन दान मंच, डोनेटकार्ट द्वारा तीन बचाव नौकाओं के दान से अपने आपदा राहत संसाधनों में एक बहुमूल्य वृद्धि प्राप्त हुई। ये नौकाएँ क्लाउड फंडिंग के माध्यम से प्राप्त की गई, जो जरूरत के समय समाज की सामूहिक शक्ति और करुणा को दर्शाती हैं। पंजाब में बाढ़ राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए तीन बचाव नौकाएँ – एक 8-सीटर और दो 4-सीटर – विशेष रूप से मुंबई से चंडीगढ़ हवाई मार्ग से लाई गई। पंजाब के राज्यपाल एवं राज्य रेड क्रॉस के अध्यक्ष, गुलाब चंद कटारिया ने नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और हाल ही में आई बाढ़ के दौरान समय पर मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए डोनेटकार्ट की सराहना की। एक सुनियोजित राहत रणनीति के तहत, बाढ़ प्रभावित जिलों में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए गुरदासपुर में दो और होशियारपुर में एक नाव तैनात की जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा राहत और पुनर्वास प्रयासों में सबसे आगे रही है, और इन बचाव नौकाओं के जुड़ने से आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने डोनेटकार्ट के माध्यम से योगदान देने वाले हजारों दानदाताओं द्वारा दिखाई गई उदारता की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि नागरिक समाज और मानवीय संगठनों के बीच इस तरह का सहयोग प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण है।

कर दिया गया है। देश-विदेश से प्रतिभागियों को इसमें शामिल होने का अवसर मिलेगा और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

राज्यपाल कटारिया ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए 3 बचाव नौकाओं को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़, 8 सितम्बर (हरिश्चंद्र): भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी, पंजाब शाखा को आज देश के विश्वसनीय ऑनलाइन दान मंच, डोनेटकार्ट द्वारा 3 बचाव नौकाओं के दान से अपने आपदा राहत संसाधनों में एक बहुमूल्य वृद्धि प्राप्त हुई। ये नौकाएं क्लाऊड फंडिंग के माध्यम से प्राप्त की गई, जो जरूरत के समय समाज की सामूहिक शक्ति और करुणा को दर्शाती हैं। इनमें एक 8 सीटर और 2 नौकाएं 4 सीटर हैं, जिन्हें विशेष रूप से मुम्बई से चंडीगढ़ हवाई मार्ग से लाया गया। पंजाब के राज्यपाल व राज्य रैडक्रॉस के अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया ने नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और हाल ही में आई बाढ़ के दौरान समय पर मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए डोनेटकार्ट की सराहना की। उन्होंने बताया कि सुनियोजित राहत रणनीति के तहत बाढ़ प्रभावित जिलों में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए इनमें से गुरदासपुर में 2 और होशियारपुर में 1 नाव तैनात की जाएगी।

राज्यपाल ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए 3 नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

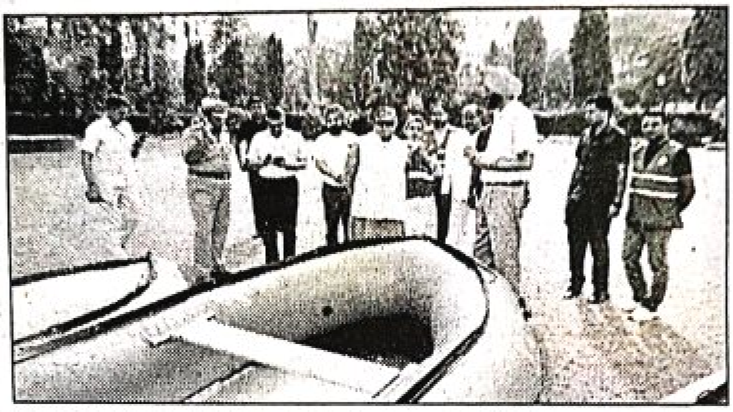

3 नौकाओं को हरी झंडी दिखाने दौरान राज्यपाल कटारिया।

चंडीगढ़ (विज्ञ) : भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब शाखा को आज भारत के विश्वसनीय ऑनलाइन दान मंच, डोनेटकार्ट द्वारा तीन बचाव नौकाओं के दान से अपने आपदा राहत संसाधनों में एक बहुमूल्य वृद्धि प्राप्त हुई। ये नौकाएँ क्लाउड फंडिंग के माध्यम से प्राप्त की गईं, जो ज़रूरत के समय समाज की सामूहिक शक्ति और करुणा को दर्शाती हैं।

पंजाब में बाढ़ राहत कार्यों को मज़बूत करने के लिए तीन बचाव नौकाएँ - एक 8-सीटर और दो 4-सीटर - विशेष रूप से मुंबई से चंडीगढ़ हवाई मार्ग से लाई गईं।

पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं राज्य रेड क्रॉस के अध्यक्ष, श्री गुलाब चंद कटारिया ने नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और हाल ही में आई बाढ़ के दौरान समय पर मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए डोनेटकार्ट की सराहना की।

एक सुनियोजित राहत रणनीति के तहत, बाढ़ प्रभावित जिलों में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए गुरदासपुर में दो और होशियारपुर में एक नाव तैनात की जाएगी।

इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा राहत और पुनर्वास प्रयासों में सबसे आगे रही है, और इन बचाव नौकाओं के जुड़ने से आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने डोनेटकार्ट के माध्यम से योगदान देने वाले हज़ारों दानदाताओं द्वारा दिखाई गई उदारता की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि नागरिक समाज और मानवीय संगठनों के बीच इस तरह का सहयोग प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण है।

दानियों द्वारा दिया योगदान बाढ़ पीड़ितों के लिए जीवनदान साबित होगा : राज्यपाल

बाढ़ राहत कार्यों के लिए रवाना कीं 3 किश्तियां, डोनेटकार्ट द्वारा रैडक्रॉस सोसायटी पंजाब को बड़ा योगदान

चंडीगढ़, 8 सितम्बर (संदीप कुमार माहना): पंजाब में बाढ़ से पैदा हुई भयानक स्थिति के मद्देनज़र राहत प्रयासों को और मज़बूत करने के लिए इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी पंजाब को आज तीन नई बचाव किश्तियां प्राप्त हुई हैं। यह योगदान देश के प्रसिद्ध आनलाइन प्लेटफार्म डोनेटकार्ट द्वारा दिया गया है, जो सिविल समाज की सामूहिक शक्ति व करूणा की मिसाल है। इनमें एक 8 सीटर व दो 4 सीटर किश्तियां शामिल हैं, जिनको विशेष तौर पर मुंबई से चंडीगढ़ हवाई मार्ग द्वारा भेजा गया।

पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक और स्टेट रैडक्रॉस सोसायटी के प्रधान गुलाब चंद कटारिया ने रैडक्रॉस भवन चंडीगढ़ में समारोह के दौरान किश्तियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि समय पर उपलब्ध करवाए गए इन संसाधनों से बाढ़ पीड़ितों को बचाने व उन तक तुरन्त सहायता पहुंचाने में बड़ी मदद मिलेगी।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि रैडक्रास सोसायटी हमेशा मुश्किल के समय में अग्रणीय भूमिका निभाती आई है। इन किश्तियों के जुड़ने के साथ राहत संसाधनों में वृद्धि होगी। राज्यपाल ने डोनेटकार्ट द्वारा दिए योगदान की प्रशंसा की और कहा कि हज़ारों दानियों द्वारा दिया गया योगदान पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए जीवनदान साबित होगा। राज्यपाल ने कहा कि इस तरह के सहयोग के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया चंडीगढ़ रैडक्रॉस भवन में डोनेटकार्ट द्वारा दी किश्तियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना करते हुए। साथ हैं रैडक्रॉस व डोनेटकार्ट के अधिकारी।

गुरदासपुर व होशियारपुर में भेजी जाएंगी किश्तियां

उपलब्ध करवाई गई 2 किश्तियां गुरदासपुर जिले में व एक किश्ती होशियारपुर में भेजी जाएगी। दोनों जिलों में बाढ़ के दौरान बड़े स्तर पर नुकसान हुआ है और यहां राहत कार्यों को अधिक ज़रूरत है। डोनेटकार्ट के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह उनके लिए गौरव की बात है कि उन्हें पंजाब जैसे प्रदेश के लोगों की संकट की घड़ी में सहायता करने का अवसर मिला।

चंडीगढ़, 10 सितम्बर 2025

पंजाब राज्यपाल एवं प्रशासक चंडीगढ़ गुलाब चंद कटारिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पंजाब पहुंचने पर किया स्वागत

■ प्रधानमंत्री द्वारा पंजाब के लिए 1600 करोड़ के विशेष राहत पैकेज की घोषणा

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं प्रशासक यू.टी. चंडीगढ़ गुलाब चंद कटारिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया, जब उन्होंने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री ने गुरदासपुर में समीक्षा बैठक कर राहत एवं पुनर्वास उपायों की स्थिति का मूल्यांकन किया।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री जी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ की विशेष वित्तीय सहायता की घोषणा की। यह राशि राज्य आपदा राहत कोष में पहले से उपलब्ध 12,000 करोड़ के अतिरिक्त होगी। साथ ही प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50,000 की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों, किसानों, विद्यार्थियों और अनाथ बच्चों के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

गुलाब चंद कटारिया ने प्रधानमंत्री जी के इस संवेदनशील एवं दूरदर्शी निर्णय के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर प्रभावित परिवारों को राहत पहुँचाने और हुए नुकसान की भरपाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अभिनंदन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए पठानकोट में मंगलवार दोपहर बाद पहुंचे। जहां पंजाब के गर्वनर गुलाब चंद कटारिया समेत अन्य मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट उतरते ही उनका स्वागत किया। स्रोत- प्रवक्ता

पंजाब

दैनिक भास्कर, चंडीगढ़, बुधवार 10 सितंबर, 2025 | 7

बाढ़ प्रभावितों के लिए पीएम मोदी के 1600 करोड़ रुपए राहत पैकेज के ऐलान पर सत्ता पक्ष व विपक्ष खफा

सत्ता-विपक्ष... राहत पर आहत; भाजपा बोली... पंजाब मजबूत होगा

पीएम ने राहत के नाम पर जख्मों पर नमक छिड़का

मान ठीक होते तो मजबूती से अपना पक्ष रख सकते थे

सुनील जाखड़, पंजाब भाजपा प्रधान

नुकसान तो 20 हजार करोड़ का हुआ, ऐलान कम किया

सुखबीर सिंह बादल

पंजाब के लिए बाढ़ राहत पैकेज ऊंट के मुंह में जीरा

बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ 'निर्दयी मजाक' हुआ

1600 करोड़ अतिरिक्त देना पंजाब के प्रति संवेदनशीलता

डॉ. सुभाष शर्मा

लोगों की जरूरतों के अनुसार हरसंभव सहायता देगा केंद्र: कटारिया

पठानकोट, 9 सितम्बर (शारदा) : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज पंजाब का दौरा किया गया, उससे फ्लड की स्थिति का आकलन हुआ।

पी.एम. द्वारा घोषित 1600 करोड़ रुपए पैकेज मात्र टोकन है, जैसे-जैसे कार्य आगे बढ़ेगा और स्थिति का आकलन होगा तो लोगों की जरूरतों के अनुसार केंद्र हरसंभव सहायता देता रहेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण किया है, जिससे यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि हमारी नदियों में 14 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी आया है, जिससे स्थिति बाढ़ में तबदील हुई और भारी क्षति पहुंची। उन्होंने सरकार के 60,000 करोड़ मांगने के प्रश्न पर कहा कि सरकार का अपना तरीका होता है, परंतु केन्द्र सरकार यह देखती है कि जो पैसा दिया जाना है, वो जरूरतमंदों तक पहुंचे। इसलिए विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले समय में हर प्रकार की मदद किसानों, मजदूरों और पंजाब की जनता को मिलेगी। हम स्थिति पर पूरी तरह से आकलन कर रहे हैं।

राज्यपाल कटारिया ने अश्विनी शर्मा से भाई के निधन पर शोक जताया

अश्विनी शर्मा से शोक व्यक्त करते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। (जैंद्र, रवि)

पठानकोट, 9 सितम्बर (शारदा): भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा के भाई स्व. आर.पी. शर्मा का गत दिवस निधन हो गया था और पंजाब भर से नेताओं एवं सामाजिक लोगों ने परिवार के साथ शोक व्यक्त किया था। आज राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने विशेष रूप से अश्विनी शर्मा के आवास पर जाकर उनसे शोक जताया।

अश्विनी शर्मा ने अपने भाई के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला, जिससे राज्यपाल प्रभावित हुए कि किस प्रकार स्व. आर.पी. शर्मा ने परिवार के साथ सामाजिक कार्यों में भाग लिया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आदर्शों पर अंतिम समय तक चलते रहे। अश्विनी शर्मा ने राज्यपाल का इस दुख की घड़ी में साथ देने के लिए आभार जताया।

घग्गर

“घग्गर की चुनौती और राज्यपाल की पहल श्री गुलाब चंद कटारिया ने दिखाया समाधान का मार्ग

घग्गर, 13 सितंबर:

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ प्रभावित इलाक़ों की स्थिति का गहराई से जायज़ा लेते हुए यह संदेश दिया कि आपदा प्रबंधन केवल तत्काल राहत तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि स्थायी समाधान खोजने की दिशा में ठोस कदम उठाने ज़रूरी हैं। मकरौड़ साहिब में अपने दौरे के दौरान उन्होंने स्थानीय हालात को नज़दीक से देखा, प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना। यह राज्यपाल की संवेदनशीलता और जनता से सीधा संवाद स्थापित करने की उनकी कार्यशैली को दर्शाता है।

घग्गर नदी का स्थायी समाधानः राज्यों की साझेदारी पर ज़ोर

राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि घग्गर नदी केवल पंजाब की नहीं, बल्कि हरियाणा की भी साझा समस्या है। दोनों राज्यों के लिए यह एक प्राकृतिक चुनौती है, जिसे अलग-अलग नहीं, बल्कि मिलकर सुलझाना होगा। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों की संयुक्त बैठक बुलवाई जाएगी, ताकि दोनों राज्यों के हितों को ध्यान में रखकर एक व्यापक और दीर्घकालिक रणनीति बनाई जा सके। यह पहल राज्यपाल की दूरदर्शी सोच और समाधानमुखी दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।

केंद्र की मदद और राहत का भरोसा

राज्यपाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने पंजाब को राहत स्वरूप 1600 करोड़ रुपये की राशि तत्काल जारी की है। लेकिन यह केवल शुरुआती कदम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जैसे-जैसे नुकसान का सही आकलन होगा, केंद्र से और अधिक मदद भी दिलवाई जाएगी। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एन.डी.आर.एफ.) की महत्ता को रेखांकित करते हुए समझाया कि यह कोष आपदा की घड़ी में प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत के लिए ही रखा जाता है और इसमें केंद्र तथा राज्य दोनों का योगदान रहता है।

प्रशासनिक प्रयासों और जनता की हिम्मत की सराहना

राज्यपाल ने ज़िला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और स्थानीय निवासियों द्वारा किए गए अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लोगों ने जिस जज़्बे से दिन-रात काम कर संभावित बड़े नुकसान को टालने का प्रयास किया है, वह काबिले-तारीफ़ है। उन्होंने कहा कि इस तरह की एकजुटता और जागरूकता से ही बड़े संकटों से पार पाया जा सकता है।

भविष्य की दिशा

राज्यपाल श्री कटारिया ने यह भी इंगित किया कि पंजाब में सबसे अधिक नुकसान रावी नदी से हुआ, उसके बाद सतलुज और ब्यास से, जबकि घग्गर से अपेक्षाकृत कम क्षति हुई। बावजूद इसके, घग्गर से जुड़े इलाक़ों में खतरा बना रहता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि घग्गर के स्थायी समाधान के लिए वह न केवल राज्यों को जोड़ेंगे, बल्कि केंद्र सरकार से भी पर्याप्त संसाधन और तकनीकी मदद सुनिश्चित करेंगे।

इस अवसर पर पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने भी घग्गर के चौड़ीकरण पर सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले की जानकारी दी, जिस पर राज्यपाल ने गंभीर ध्यान देने का आश्वासन दिया। दौरे में राज्यपाल के साथ जिला उपायुक्त श्री राहुल चाबा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सरताज सिंह चाहल, विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

Barinder Kumar Goyal appeals to Governor Gulab Chand Kataria for solution to widening of Ghaggar river

GURMAIL SINGH SANGATPURA
LEHRAGAGA, SEPT 13

Punjab Cabinet Minister Mr. Barinder Kumar Goyal, during the visit of Punjab Governor Mr. Gulab Chand Kataria to Makraud Sahib today, highlighted the potential flood threat arising from the restrictions on widening the Ghaggar River in Punjab—from Makraud Sahib to Karel—due to Haryana's petition in the Supreme Court and objections raised before the Ghaggar Standing Committee. He appealed for an early resolution of this issue.On the occasion, Governor Mr. Kataria assured that a meeting of the Chief Ministers of Punjab and Haryana would be convened to resolve the Ghaggar problem, since both states are affected by the river's impact.

Speaking to the media, the Cabinet Minister said that he had requested the Governor's intervention so that Punjab is allowed to widen the river in its territory, while Haryana should channelize it in its area. He added that Rajasthan has already constructed large reservoirs to collect the river's water. The permanent solution to the problem would provide great relief to the people of both Punjab and Haryana.The Minister further stated that, for the first time in history, the Ghaggar River has been flowing above the danger mark for 12 consecutive days. However, owing to the strengthening of embankments by the Punjab Government in 2023, together with the support of the district administration and local residents, the river has not caused damage in Sangrur district.

Hindustan Times

Will facilitate Punjab, Hry CMs' meet over Ghaggar dispute: Guv

SANGRUR/PATIALA: Punjab governor Gulab Chand Kataria, during his visit to several areas of Sangrur and Patiala districts, on Saturday said he would facilitate a meeting between the chief ministers of Punjab and Haryana to find a solution to the decades old dispute over widening of Ghaggar river from Makor Sahib to Karail village. The Haryana government has already obtained a stay order from the Supreme Court. Both states have been at loggerheads over the issue owing to the recurring flood threat.

Kataria said, "I will facilitate a meeting of the chief ministers of both states. After that, a meeting of the technical experts will be arranged. If an agreement is reached, it will be easier to move forward as in absence of any agreement, the court case lingers on." "The overflow in Ghaggar river inundated the surrounding areas in Patiala. In Sangrur where 6,000 to 7,000 hectares were flooded, the administration and people worked exceptionally well to mitigate the flood effects," he said.

He chaired a review meeting with Patiala deputy commissioner Preeti Yadav, SSP Varun Sharma, army officers and officials of the drainage and district administration. The governor stressed the need to further strengthen weak embankments along the Ghaggar. HTC

ਘੱਗਰ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਪੱਕੇ ਹੱਲ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੀ ਕਰਵਾਈ ਜਾਵੇਗੀ ਮੁਲਾਕਾਤ-ਕਟਾਰੀਆ

मकरोड़ साहिब में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने घग्गर का लिया जायजा, बोले

घग्गर के स्थायी समाधान के लिए पंजाब हरियाणा के सीएम की बैठक करवाएंगे

1600 | 6560 | 564

घग्गर में 24 घंटे में एक फीट तक कम हुआ जलस्तर पर अभी भी खतरे के निशान से 1.3 फीट अधिक

हर पल घग्गर की निगरानी, सुखमणि साहिब के पाठ करवा सुख-शांति की अरदास की

भास्कर न्यूज | मूनक/संगरूर

बरसात से अब तक 16400 एकड़ फसल प्रभावित, छत गिरने से व्यक्ति की मौत

मूनक और खनौरी क्षेत्र से गुजरते घग्गर दरिया का जलस्तर पिछले तीन दिनों से कम होना शुरू हो गया है। शनिवार शाम बजे तक दरिया का जलस्तर 749.3 पर आ गया था जोकि पिछले 24 घंटों में एक फीट तक कम हुआ है। हालांकि अभी भी जलस्तर खतरे के निशान 748 से 1.3 फीट अधिक है।

शनिवार को आसपास के गांवों में मूनक में दरिया के पास पुल पर सुखमणि साहिब के पाठ करवाकर क्षेत्र में सुख और शांति की अरदास की गई है। शनिवार को पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया और कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने मकरोड़ साहिब में दरिया का जायजा लिया। कटारिया ने कहा कि संगरूर जिले में दरिया में कहीं भी दरार नहीं आई है लेकिन भारी बरसात के कारण 16400 एकड़ फसल प्रभावित हुई है। मकान की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ फंड किसी भी आपातकालीन स्थिति के दौरान पैदा हुए हालात का मुकाबला करने के लिए होता है। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से योगदान डाला जाता है। यह फंड आफत के दौरान राहत के लिए रखे जाते हैं।

किसानों से बातचीत करते हुए गवर्नर गुलाब चंद कटारिया।

दरिया के किनारे मजबूत करने में जुटे किसान

पिछले कई दिन से किसान दरिया पर दिन-रात नजर रखे हुए हैं ताकि अगर एकदम पानी बढ़ जाता है तो तुरंत बचाव कार्य शुरू किया जा सके। किसानों की तरफ से बांध बनाए जा रहे हैं। किसानों की तरफ से दरिया के संवेदनशील किनारों को मिट्टी के थैलों से मजबूत किया जा रहा है। इस काम में महिलाएं भी जुटी हुई हैं।

लोग दरिया पर कामों की निगरानी करें : मंत्री गोयल

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री बरिंद्र गोयल ने कहा कि 2023 में पंजाब सरकार द्वारा करवाई गई बांधों की मजबूती और जिला प्रशासन व स्थानीय लोगों के सहयोग के कारण यह दरिया संगरूर जिले में नुकसान नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने बांधों को टूटने से बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और अब इसका पानी लगातार घट रहा है। जहां 12 दिन से पानी का स्तर 750.7 फीट था, वहीं शनिवार को यह घटकर 749.4 फीट हो गया है और कल तक खतरे के निशान 748 फीट से नीचे आ जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जब तक पानी का स्तर खतरे के निशान से नीचे नहीं आ जाता, तब तक बांधों को मजबूत करने का कार्य जारी रहेगा। उन्होंने कार्य में लगे स्थानीय लोगों की सेवा भावना की सराहना की और लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं, बल्कि दरिया पर चल रहे कामों की निगरानी में सहयोग करें।इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर राहुल चाबा, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमित बैंबी, जिला पुलिस प्रमुख सरताज सिंह चाहल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में गांवों के लोग मौजूद थे।

Punjab govt's stern missive to BBMB: stop random outflows from Bhakra, Pong dams

Union ministers visit flood-hit areas in Punjab, assure central assistance

ਮੂਨਕ ਇਲਾਕੇ 'ਚ ਹੜ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨ ਨੁਕਸਾਨ, ਰਾਜਪਾਲ ਵੱਲੋਂ ਘੱਗਰ ਦਰਿਆ ਦਾ ਦੌਰਾ : ਲਹਿਲ

ਰਾਜਪਾਲ ਵੱਲੋਂ ਘੱਗਰ ਨੇੜਲੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਕਟਾਰੀਆ ਵੱਲੋਂ ਘੱਗਰ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਪੱਕੇ ਹੱਲ ਲਈ ਦੋਵਾਂ ਮੁੱਖ ਮੰਤਰੀਆਂ ਦੀ ਮੁਲਾਕਾਤ ਕਰਵਾਉਣ ਦਾ ਐਲਾਨ

पटियाला

“ घग्गर समस्या का स्थायी समाधानः संवाद से ही संभव – राज्यपाल, पंजाब और हरियाणा को मिलकर सहमति से ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता, सर्वोच्च न्यायालय को भी अवगत कराने का सुझाव

पटियाला, 13 सितम्बर

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा है कि घग्गर नदी से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान तभी निकल सकता है, जब पंजाब और हरियाणा आपसी संवाद और सहमति के आधार पर ठोस निर्णय लें। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों राज्यों द्वारा लिए गए निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए, ताकि पिछले 35 वर्षों से लंबित कानूनी विवाद का निपटारा हो सके। राज्यपाल श्री कटारिया आज पटियाला ज़िले के दौरे पर थे, जहाँ उन्होंने हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान का जायज़ा लिया। उन्होंने डिप्टी कमिश्नर डॉ. प्रीति यादव, एस.एस.पी. श्री वरुण शर्मा सहित सेना और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद वे सराला हैड पहुँचे और घग्गर नदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि नदी के कमजोर तटबंधों को मज़बूती प्रदान की जाए।

पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में 1988 की बाढ़ से भी अधिक जलप्रवाह दर्ज किया गया, जिसके कारण लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए ठोस कदम उठाए हैं और विशेष गिरदावरी की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। राज्यपाल ने प्रशासन, पुलिस, सेना और जनता के बीच बाढ़ प्रबंधन के दौरान दिखाई गई एकजुटता और तालमेल को प्रशंसनीय बताया। राज्यपाल ने कहा कि जल संसाधन विभाग के अनुसार मकरौड़ साहिब से कड़ैल तक घग्गर को चौड़ा करने और हांसी-बुटाना नहर के सायफनों की समस्या को हल करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डैमों की क्षमता सिल्ट जमने से भले ही घटी हो, पर उनकी सुरक्षा पर कोई संदेह नहीं है। समय पर जानकारी और तकनीकी उपायों से बाढ़ के नुकसान को रोका जा सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा पंजाब को तत्काल राहत हेतु 1600 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। आगे के आकलन के बाद केंद्र सरकार और सहयोग देगी।

बैठक के दौरान राज्यपाल ने यह भी कहा कि घग्गर नदी पर चिन्हित लगभग 60 स्थलों पर तटबंधों को स्थायी रूप से मजबूत करने की आवश्यकता है और इन पर निरंतर निगरानी रखी जानी चाहिए। डिप्टी कमिश्नर डॉ. प्रीति यादव ने उन्हें पटियाला ज़िले में किए गए बाढ़-नियंत्रण प्रबंधों और घग्गर, टांगरी व मार्कंडा नदियों से हुए नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

"बाढ़ से निपटने में प्रशासन, सेना और जनता का बेहतरीन तालमेल सराहनीय – श्री कटारिया, राज्यपाल ने पटियाला में किया नुकसान का जायज़ा, कमजोर तटबंधों को मज़बूत करने के दिए निर्देश"

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस वर्ष पंजाब ने अभूतपूर्व बाढ़ का सामना किया है, लेकिन कठिन परिस्थितियों में प्रशासन, पुलिस, सेना और आम जनता ने जिस तरह मिलकर काम किया, वह प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी प्रणाली और तकनीकी सुधार अपनाकर भविष्य में बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर तटबंधों को स्थायी रूप से मज़बूत किया जाए और नियमित निरीक्षण किया जाए।

Governor Gulab Chand Kataria interacts with villagers in Sangrur.

Team up to counter Ghaggar crisis: Guv to Punjab, Haryana

TRIBUNE NEWS SERVICE

PATIALA, SEPTEMBER 13

Punjab Governor Gulab Chand Kataria on Saturday urged the state and neighbouring Haryana to work together to chalk out a strategy to "solve long-pending issue" related to the Ghaggar.

Kataria said this during a visit to flood-affected villages on the Punjab-Haryana border in Patiala.

Former Patiala MP Preneet Kaur, along with farmers from flood-affected villages, submitted a memorandum to Kataria, highlighting the grave situation caused by the obstruction of the Ghaggar's natural flow due to the Hansi-Butana Canal.

The memorandum stated that villages such as Sassi Brahmanan, Sassi Gujjran, Dharamhedi, Hashampur, Bhagwanpur and Sassa in Patiala district had suffered large-scale devastation.

"Thousands of acres of fertile farmland has been submerged, forcing farmers and residents to face immense hardships. The flooding has been primarily attributed to heavy silt deposition in the siphons and embankments of the canal, which has blocked the natural discharge of water," it said.

Highlighting the long-standing legal dispute over the Ghaggar between Punjab and Haryana, the Governor called on both states to reach a mutual agreement and inform the Supreme Court so that the 35-year-old issue could be settled and a lasting solution to the problem achieved.

He also referred to the need for widening the river stretch from Makraud Sahib to Karail as well as the Hansi-Butana Canal and its siphons to improve water flow.

Kataria also held a meeting with the district administration, Army and drainage officials, discussing relief and rehabilitation measures.

He stressed the need to strengthen the embankments along the Ghaggar. "There is a need to have a detailed roadmap in place to solve this problem of floods," said the Governor before he inspected the water flow in the river at Samla Headworks.

Kataria said Punjab had suffered unprecedented losses in these floods, even more severe than those of 1988. He said a special *girdawari* had been launched to assess crop and property losses. He lauded the coordination among the administration, police, Army and local residents.

घग्गर की समस्या का स्थाई हल जरूरी : राज्यपाल

भास्कर न्यूज | पटियाला

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि पंजाब और हरियाणा को घग्गर नदी से जुड़ी समस्या का स्थाई समाधान निकालने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। शनिवार को राज्यपाल पटियाला जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डीसी डॉ. प्रीति यादव, एसएसपी वरुण शर्मा, सेना व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और ससाला हेड पर घग्गर नदी के हालात देखे। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि घग्गर नदी के कमजोर 65 तटबंधों को तुरंत मजबूत किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि घग्गर नदी में हर साल हरियाणा से अतिरिक्त पानी आने के कारण पंजाब को भारी नुकसान झेलना पड़ता है। इसलिए दोनों राज्यों को आपसी सहमति बनाकर सुप्रीम कोर्ट को समाधान का प्रस्ताव भेजना चाहिए ताकि 35 वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई खत्म हो और स्थायी हल निकल सके। पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पंजाब को बाढ़ से हुए नुकसान की तत्काल भरपाई के लिए 1600 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। आगे जो भी अतिरिक्त नुकसान का आकलन होगा, उसमें केंद्र सरकार पूरा सहयोग करेगी। राज्यपाल ने कहा कि बांधों की जल क्षमता और जल वृद्धि को लेकर समय पर जानकारी साझा करना बेहद जरूरी है।

पंजाब केसरी SUN, 14 SEPTEMBER 2025
EDITION: PATIALA KESARI, PAGE NO. 1

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने घग्गर की समस्या के स्थायी हल के लिए पंजाब व हरियाणा को आपस में मिल-जुलकर बैठने की सलाह दी

पटियाला/संगरूर, 13 सितम्बर (मनदीप जोशन, राकेश पंजोला): पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने घग्गर की समस्या के स्थाई हल के लिए पंजाब और हरियाणा को आपस में मिल-जुलकर बैठने की सलाह दी है। राज्यपाल कटारिया आज जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए पटियाला पहुंचे हुए थे।

इस मौके पर राज्यपाल ने पटियाला की डी.सी. डॉ. प्रीति यादव, एस.एस.पी. वरुण शर्मा समेत फौज और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बाढ़ बारे जायजा बैठक की। इसके बाद उन्होंने ससाला हैड का दौरा करके घग्गर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हिदायत दी कि घग्गर के कमजोर बांधों को और मजबूत किया जाए।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया पटियाला जिले में ससाला हैड पर घग्गर नदी का जायजा लेते हुए साथ हैं डी.सी. डा. प्रीति यादव। (छाया)

संकिट हाउस में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि पंजाब में इस बार 1988 की बाढ़ से भी ज्यादा पानी आने के कारण पंजाब के लोगों का बहुत भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस नुकसान की भरपाई के लिए सरकार की ओर से पुख्ता कदम उठाए गए हैं और आज से विशेष गिरदावरी भी शुरू कर दी गई है।

कटारिया ने कहा कि घग्गर नदी में आने वाले अतिरिक्त पानी के कारण पंजाब और हरियाणा का काफी नुकसान होता है, जिस कारण दोनों राज्यों को आपस में मिल-जुलकर बैठना चाहिए और आपसी सहमति से लिए गए फैसले के बारे में सुप्रीम कोर्ट को भी अवगत करवाया जाए, ताकि 35 साल से चल रही कानूनी लड़ाई का निपटारा करके इस मसले का स्थाई हल निकाला जा सके।

एक सवाल का जवाब देते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से बाढ़ में हुए नुकसान के फौरी हल के रूप में पंजाब को 1600 करोड़ दिया गया है और अन्य नुकसान के बारे में आने वाले दिनों में जो भी अनुमान होगा, उस बारे में केंद्र जरूर सहयोग करेगा।

इससे पहले प्रशासन के साथ बैठक दौरान गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि पहचानी गई लगभग 60 जगहों पर घग्गर के बांध पक्के करने की जरूरत है और समय-समय पर नजर भी रखनी चाहिए।

डी.सी. डॉ. प्रीति यादव ने राज्यपाल को पटियाला जिले में जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ से बचाव के लिए किए गए प्रबंधों समेत घग्गर, टांगरी और मारकंडा नदियों से हुए नुकसान के बारे में अवगत करवाया।

घग्गर के स्थायी समाधान के लिए मिलकर काम करें पंजाब और हरियाणा : राज्यपाल

राज्यपाल ने पटियाला में बाढ़ से हुए नुकसान की समीक्षा की, घग्गर तटबंधों को और मजबूत करने का निर्देश दिया

सवेरा न्यूज/चीर

पटियाला 13 सितंबर : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब और हरियाणा को घग्गर समस्या के स्थायी समाधान के लिए मिलकर काम करने की सलाह दी। राज्यपाल कटारिया पटियाला जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए पहुंचे थे।

राज्यपाल ने पटियाला की डिप्टी कमिश्नर डा. प्रीति यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा सहित सेना और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा बैठक की। इसके बाद उन्होंने ससला हेड का दौरा किया और घग्गर नदी का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि घग्गर नदी के कमजोर तटबंधों को और मजबूत किया जाए। कटारिया ने कहा कि इस बार पंजाब में आए पानी से पंजाब के लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। जो 1988 की बाढ़ से भी अधिक है।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और उपायुक्त डॉ. प्रीति यादव निरीक्षण के दौरान।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस नुकसान की भरपाई के लिए कई कदम उठाए हैं और आज से विशेष गिरदावरी भी शुरू कर दी गई है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान के तत्काल समाधान के लिए पंजाब को 1600 करोड़ रुपए दिए हैं तथा आने वाले दिनों में आगे और नुकसान के बारे में जो भी अनुमान लगाया जाएगा, उसमें केंद्र निश्चित रूप से सहयोग करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि बांधों की जल क्षमता और जल वृद्धि के बारे में समय पर जानकारी और सूचनाओं का आदान-प्रदान अनिवार्य है और इस पर तकनीकी तरीके से काम करके बाढ़ से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

ਘੱਗਰ ਦੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਬੰਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ : ਰਾਜਪਾਲ

ਘੱਗਰ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਸਥਾਈ ਹੱਲ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਨੂੰ ਮਿਲ-ਜੁਲ ਕੇ ਬੈਠਣ ਦੀ ਦਿੱਤੀ ਸਲਾਹ

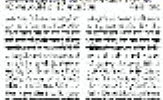

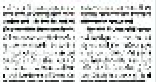

Punjab govt's stern missive to BBMB: stop random outflows from Bhakra, Pong dams

KANCHAN VASDEV
CHANDIGARH, SEPTEMBER 13

Punjab Governor Gulab Chand Kataria visits the Ghaggar River near Moonak, in Sangrur on Saturday.

AFTER FACING devastating floods, the Punjab Government has issued a stern directive to the Bhakra Beas Management Board (BBMB), urging it to stop random fluctuations in water outflows from the Bhakra and Pong dams.

The move comes amid concerns that erratic releases are exacerbating risks of bund breaches, threatening agricultural lands, crops, and infrastructure in downstream districts.

In a letter dated September 12, 2025, addressed to the BBMB chairman in Chandigarh, Punjab's Chief Engineer (Drainage) highlighted the board's unilateral decisions on water management. "It has been observed that BBMB has been increasing and decreasing the outflows at its own level randomly without taking the State Government of Punjab into confidence," it states.

It stated that such frequent variations have intensified recently, which is particularly problematic given the state of the saturated riverbanks following prolonged flooding.

The floods, which recently ravaged Punjab, have already caused widespread destruction in districts along the Sutlej and Beas rivers, where the Bhakra and Pong dams are located. Officials warn that any sudden changes in water flow could trigger breaches, leading to further losses.

Over 50 people were killed in the flood, while crops across 1.75 lakh hectares of land were damaged, and over 3.87 lakh people in 1,996 villages were impacted.

"When the banks of the rivers are fully saturated, any fluctuation at this point of time increases the probability of breach in banks of the rivers causing loss of agricultural land, crops and other infrastructure," the memo emphasises, adding that downstream areas have been grappling with these issues for an extended period.

"You are requested to maintain the outflows in a manner so that there is no danger to the dams and at the same time there isn't much variation in the flow of river," the letter reads. It also advocates for "scientific" management that balances dam safety with the protection of vulnerable downstream regions.

The BBMB, a central body responsible for managing the inter-state water resources of the Bhakra-Nangal and Beas projects, is yet to respond to the memorandum. The board oversees power generation and irrigation supplies to Punjab, Haryana, Rajasthan, and other partner states, but tensions over water sharing and management have long simmered between the Punjab and partner states.

State water resources department officials, speaking on condition of anonymity, said that this was a necessary step to prevent more disasters. "We have seen enough damage from the floods. We cannot afford additional risks from poor coordination," an official said.

The Indian EXPR

Hindustan Times

Will facilitate Punjab, Hry CMs' meet over Ghaggar dispute: Guv

SANGRUR/PATIALA: Punjab governor Gulab Chand Kataria, during his visit to several areas of Sangrur and Patiala districts, on Saturday said he would facilitate a meeting between the chief ministers of Punjab and Haryana to find a solution to the decades old dispute over widening of Ghaggar river from Makor Sahib to Karail village. The Haryana government has already obtained a stay order from the Supreme Court. Both states have been at loggerheads over the issue owing to the recurring flood threat.

Kataria said, "I will facilitate a meeting of the chief ministers of both states. After that, a meeting of the technical experts will be arranged. If an agreement is reached, it will be easier to move forward as in absence of any agreement, the court case lingers on." "The overflow in Ghaggar river inundated the surrounding areas in Patiala. In Sangrur where 6,000 to 7,000 hectares were flooded, the administration and people worked exceptionally well to mitigate the flood effects," he said.

He chaired a review meeting with Patiala deputy commissioner Preeti Yadav, SSP Varun Sharma, army officers and officials of the drainage and district administration. The governor stressed the need to further strengthen weak embankments along the Ghaggar. HTC

[redacted]

Guv urges permanent solution to Ghaggar river issue in Pb, Hry

TIMES NEWS NETWORK

Anu Albert

Punjab governor Gulab Chand Kataria addressing the media in Patiala on Saturday

Patiala: Governor Gulab Chand Kataria has urged Punjab and Haryana to collaborate in finding a permanent solution to the recurring breaches in the Ghaggar river. During his visit to Patiala on Saturday, the Punjab governor reviewed the flood damage caused by the recent floods and engaged in discussions with district officials and the Army regarding relief and rehabilitation measures.

During a review meeting attended by deputy commissioner Preeti Yadav, SSP Varun Sharma, Army officers, and officials from the drainage and district administration, Kataria emphasised the necessity to further strengthen the embankments of the Ghaggar river. Following the meeting, Kataria inspected the Ghaggar river at Sarala Head.

The governor said Punjab had endured unprecedented flood losses, surpassing those of 1988. He mentioned that a special girdawari had been initiated to assess crop and property damages and praised the effective coordination among the administration, the police, the Army, and local residents in managing the crisis.

Kataria highlighted the long-standing legal dispute between Punjab and Haryana over the Ghaggar and called on both states to reach a mutual agreement and inform the Supreme Court to resolve the 35-year-old issue and achieve a lasting solution. He also pointed out the need to widen the river stretch from Makraud Sahib to Karail and the Hansi-Butana canal and its siphons to enhance water flow.

DAINIK JAGRAN

'घग्गर की समस्या को लेकर पंजाब–हरियाणा मिलकर काम करें'

राज्यपाल ने पटियाला में बाढ़ से हुए नुकसान की समीक्षा की, घग्गर तटबंधों को मजबूत करने के दिए निर्देश

1600 करोड़ रुपये राहत के लिए पंजाब को दिए प्रधानमंत्री ने

60 स्थानों पर घग्गर के तटबंधों को मजबूत करने की जरूरत

35 वर्षों से चल रही कानूनी लड़ाई का निपटारा कर स्थाई समाधान निकालें दोनों राज्य

सरकार ने नुकसान की भरपाई के लिए विशेष गिरदावरी शुरू की

घग्गर के अतिरिक्त पानी से पंजाब, हरियाणा को हो रहा नुकसान

राज्यपाल को घग्गर की मार से बचाव करने के नुस्खे बताए

चंडीगढ़

“ बाढ़ प्रभावित पंजाब की मदद के लिए केंद्र और राज्य की साझा पहल, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात

चंडीगढ़, 13 सितम्बर।
पंजाब में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने न सिर्फ़ जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, बल्कि किसानों, मजदूरों और ग्रामीण परिवारों के सामने पुनर्निर्माण की बड़ी चुनौती भी खड़ी कर दी है। इस गंभीर स्थिति के मद्देनज़र, केंद्रीय मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन में मुलाकात की।

राहत एवं पुनर्वास पर विस्तृत चर्चा

बैठक के दौरान दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति और राहत कार्यों की प्रगति पर विचार-विमर्श किया। विशेष रूप से, जान-माल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान का आकलन और प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुँचाने की प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की टीमें पहले ही प्रभावित जिलों का दौरा कर चुकी हैं और नुकसान की वास्तविक स्थिति का आंकलन कर रही हैं, ताकि उचित मुआवज़े और पुनर्वास योजनाओं को शीघ्र लागू किया जा सके।

केंद्र सरकार का आश्वासन और राज्यपाल की अपेक्षाएँ

श्री बिट्टू ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार किसी भी परिवार को इस संकट में अकेला नहीं छोड़ेगी। पुनर्निर्माण, पुनर्वास और बुनियादी ढाँचे की बहाली के लिए हरसंभव आर्थिक एवं प्रशासनिक सहयोग दिया जाएगा।

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समयबद्ध कार्रवाई और आपसी समन्वय से ही पंजाब के लोगों को राहत दी जा सकती है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुँचाने में त्वरित और पारदर्शी कदम सबसे अहम होंगे।

UNION MINISTER BITTU CALLS ON PUNJAB GOVERNOR KATARIA

CHANDIGARH Union Minister Ravneet Singh Bittu on Saturday paid a courtesy call to Punjab Governor Gulab Chand Kataria at the Raj Bhavan, here. During the meeting, both of them held detailed discussions on the recent flood situation in Punjab and the ongoing relief and rehabilitation operations, said an official release. They reviewed immediate measures being undertaken to support the affected families and restore normalcy in the flood-hit areas. The deliberations also covered the assessment of damages to houses, crops, and livestock. Bittu informed the Governor Kataria, who is also the Administrator of Chandigarh, that central teams visited the flood-affected areas to ascertain the quantum of loss so that appropriate compensation can be provided. He said that the Union government is committed to extend all possible assistance for rehabilitation and reconstruction in the affected districts, and reiterated that no family would be left unsupported in this crisis. The governor appreciated the "proactive role" of both the state and Union governments and emphasised that timely aid and coordinated action are essential to bring relief to the people of Punjab. / PTI /

Union Minister Ravneet Singh Bittu calls on Punjab Governor

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, September 13

Union Minister Ravneet Singh Bittu on Saturday paid a courtesy call on Punjab Governor and Administrator, UT Chandigarh, Gulab Chand Kataria at Punjab Raj Bhavan, Chandigarh.

During the meeting, both dignitaries held detailed discussions on the recent flood situation in Punjab and the ongoing relief and rehabilitation operations. They reviewed the immediate measures being undertaken to support the affected families and restore normalcy in the flood-hit areas.

The deliberations also covered the assessment of damages to lives, houses, crops, and livestock was also discussed at length.

Union Minister Ravneet Singh Bittu informed the Hon'ble Governor that central teams have visited the flood-affected areas to ascertain the quantum of loss in so that appropriate compensation can be provided.

Ravneet Singh Bittu informed the Hon'ble Governor that central teams have visited the flood-affected areas to ascertain the quantum of loss in so that appropriate compensation can be provided.

He assured that the Union Government is committed to extend all possible assistance for rehabilitation and reconstruction in the affected districts, and reiterated that no family would be left unsupported in this crisis.

The Hon'ble Governor appreciated the proactive role of both the State and Union Governments and emphasized that timely aid and coordinated action are essential to bring relief to the people of Punjab.

केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राज्यपाल से की मुलाकात

राज्यपाल कटारिया से मुलाकात करते रवनीत सिंह बिट्टू। स्रोत : जनसंपर्क विभाग

चंडीगढ़। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को पंजाब के राज्यपाल और यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन में मुलाकात की। बैठक के दौरान प्रदेश में हाल ही में आई बाढ़ के हालात और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा भी की गई। चर्चा में जान-माल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान के आकलन पर भी बात की गई। ब्यूरो

राज्यपाल कटारिया से मिले रवनीत बिट्टू

सवेरा न्यूज/वालीवाल (चंडीगढ़): केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान दोनों गणमान्यों ने बाढ़ की स्थिति और चल रहे राहत कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा की।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यपाल से की मुलाकात

जगमार्ग न्यूज़

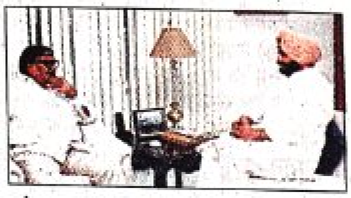

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान, दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा की। इस चर्चा में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित ₹1600 करोड़ के प्रारंभिक राहत पैकेज के साथ-साथ भविष्य में राहत और पुनर्वास सहायता की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। जान-माल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान के आकलन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने माननीय राज्यपाल को बताया कि केंद्रीय टीमों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है और नुकसान की मात्रा का पारदर्शी तरीके से पता लगाने के लिए सर्वेक्षण किए जा रहे हैं ताकि उचित मुआवजा प्रदान किया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र प्रभावित जिलों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और दोहराया कि इस संकट में कोई भी परिवार असहाय नहीं रहेगा। राज्यपाल ने राज्य और केंद्र सरकार दोनों की सक्रिय भूमिका की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि पंजाब के लोगों को राहत पहुँचाने के लिए समय पर सहायता और समन्वित कार्रवाई आवश्यक है।

केंद्रीय मत्री रवनीत बिट्टू ने राज्यपाल से की मुलाकात

चंडीगढ़ (विज्ञ) : केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने शनिवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान, दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा की। इस चर्चा में जान-माल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान के आकलन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने माननीय राज्यपाल को बताया कि केंद्रीय टीमों ने नुकसान की मात्रा का पता लगाने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है, ताकि उचित मुआवज़ा प्रदान किया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित जिलों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और दोहराया कि इस संकट में कोई भी परिवार असहाय नहीं रहेगा।

राज्यपाल से मिले केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू

बाढ़ प्रभावितों के लिए सहायता पर की चर्चा

चंडीगढ़, 13 सितम्बर (हरिश्चंद्र): केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया के साथ पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान दोनों ने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा की। इस चर्चा में जान-माल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान के आंकलन पर बात की गई। बिट्टू ने राज्यपाल को बताया कि

केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ पंजाब राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

केंद्रीय टीमों ने नुकसान की मात्रा का पता लगाने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है, ताकि उचित मुआवजा प्रदान किया जा सके।

उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित जिलों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और दोहराया कि इस संकट में कोई भी परिवार असहाय नहीं रहेगा। राज्यपाल ने राज्य और केंद्र सरकार दोनों की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

बिट्टू ने बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों पर राज्यपाल से की चर्चा

राज्य ब्यूरो, जागरण• चंडीगढ़ : केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। बैठक में पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति और चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सहायता और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किए जा रहे तत्काल उपायों की समीक्षा की। इस चर्चा में जानमाल, मकानों, फसलों और पशुधन को हुए नुकसान के आकलन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बिट्टू ने राज्यपाल को बताया कि केंद्रीय टीमों ने नुकसान की मात्रा का पता लगाने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है, ताकि उचित मुआवजा प्रदान किया जा सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित जिलों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और दोहराया कि इस संकट में कोई भी परिवार असहाय नहीं रहेगा। राज्यपाल ने राज्य और केंद्र सरकार दोनों की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

“ बाढ़ प्रभावित जिलों में स्वास्थ्य सुरक्षा की पहल : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने दिखाई 50 फॉगिंग मशीनों को हरी झंडी

चंडीगढ़, 18 सितंबर:
हाल ही में आई बाढ़ के बाद पंजाब के अनेक गाँवों में पानी लंबे समय तक ठहरा रहा, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया था। इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए पंजाब के राज्यपाल एवं पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष, श्री गुलाब चंद कटारिया ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। उन्होंने पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ से 50 फॉगिंग मशीनों से सुसज्जित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर आठ बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए रवाना किया।

राज्यपाल कटारिया ने इस अवसर पर कहा था कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ केवल तात्कालिक संकट ही नहीं लातीं, बल्कि उनके बाद संक्रमण और बीमारियों का खतरा और भी गंभीर रूप से सामने आता है। ऐसे समय में स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने बताया था कि पंजाब रेड क्रॉस द्वारा 9 लाख की लागत से, समाजसेवियों और दानदाताओं के सहयोग से, ये फॉगिंग मशीनें उपलब्ध कराई गईं।

यह पहल केवल तकनीकी सहयोग भर नहीं रही, बल्कि इससे प्रभावित गाँवों में लोगों के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा सुनिश्चित हुई। राज्यपाल ने यह भी कहा था कि राहत एवं पुनर्वास के प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब सरकार, संस्थाएँ और समाज मिलकर कार्य करें। उन्होंने बल दिया था कि

“एकजुट होकर की गई कोशिशें ही किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकती हैं।”

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह, रेड क्रॉस पंजाब के सचिव श्री शिवदुलार सिंह ढिल्लों तथा रेड क्रॉस सोसायटी के अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे। सभी ने इस पहल को राज्यपाल के दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण माना।

पंजाब राजभवन में बाढ़ प्रभावित लोगों की 'चढ़दी कला' के लिए सुखमणि साहिब पाठ का आयोजन

...गमार्ग न्यूज

...डीगढ़। पंजाब राजभवन के गुरु नानक ...व सभागार में वीरवार को बाढ़ प्रभावित ...गों की 'चढ़दी कला' के लिए सुखमणि साहिब पाठ और शबद कीर्तन का आयोजन किया गया। यह आयोजन राजभवन कर्मचारी सांस्कृतिक एवं खेल संघ, पंजाब, चंडीगढ़ द्वारा गुरुद्वारा पातशाही दसवीं, सेक्टर 8, चंडीगढ़ के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने इस अवसर पर उपस्थित होकर प्रार्थना सभा में भाग लिया। समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि संकट के समय सामूहिक प्रार्थना और सामुदायिक सेवा 'चढ़दी कला' (खुशहाली) की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के कल्याण के लिए किए जा रहे नेक प्रयासों की सराहना की। चंडीगढ़ के सेक्टर 8 स्थित गुरुद्वारा साहिब से आए रागी जत्थे ने मधुर शबद कीर्तन प्रस्तुत किया। रागी सिंह बाबा सुक्खा सिंह ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की भलाई के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए अरदास की। कार्यक्रम के बाद लंगर का आयोजन किया गया और राज्यपाल ने स्वयं लंगर सेवा की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव विवेक प्रताप सिंह और राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। यह कार्यक्रम राजभवन कर्मचारी सांस्कृतिक एवं खेल संघ, पंजाब, चंडीगढ़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष भीम सैन गर्ग, उपाध्यक्ष केहर सिंह और महासचिव कमलजीत सिंह तथा पंजाब राजभवन के अन्य कर्मचारी शामिल थे।

प्रशासक ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 50 फॉगिंग मशीनों को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष, गुलाब चंद कटारिया ने वीरवार को पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ से राज्य के आठ बाढ़ प्रभावित जिलों में भेजने के लिए 50 फॉगिंग मशीनों से लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाई। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद, कई गाँवों में पानी जमा है, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। किसी भी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए, पंजाब रेड क्रॉस ने प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए दान के माध्यम से ₹9 लाख की लागत वाली 50 फॉगिंग मशीनें खरीदी हैं। इन मशीनों का उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से व्यापक फॉगिंग अभियान चलाने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर, राज्यपाल कटारिया ने कहा कि यह पहल बाढ़ प्रभावित गाँवों में समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव विवेक प्रताप सिंह, सचिव रेड क्रॉस पंजाब शिवदुलार सिंह ढिल्लों तथा पंजाब रेड क्रॉस सोसायटी के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

राज्यपाल कटारिया ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 50 फॉगिंग मशीनें की रवाना

सवेरा न्यूज/मोहित

चंडीगढ़, 18 सितंबर : राज्यपाल और पंजाब रैडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया ने राज्य के 8 बाढ़ प्रभावित जिलों में 50 फॉगिंग मशीनों से लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाई। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद, कई गांवों में पानी जमा है। जिससे, वैक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। किसी भी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए, पंजाब रैडक्रॉस ने प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए दान के माध्यम से 9 लाख रुपए की लागत वाली 50 फॉगिंग मशीनें खरीदी हैं। इन मशीनों का उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से व्यापक फॉगिंग अभियान चलाने के लिए किया जाएगा। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि यह पहल बाढ़ प्रभावित गांवों में समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया।

पंजाब के राज्यपाल ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 50 फागिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाई

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और पंजाब रेड क्रास सोसाइटी के अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ से राज्य के आठ बाढ़ प्रभावित जिलों में भेजने के लिए 50 फागिंग मशीनों से लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाई। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद, कई गांवों में पानी जमा है, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। किसी भी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए, पंजाब रेड क्रास ने प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए दान के माध्यम से 9 लाख की लागत वाली 50 फागिंग मशीनें खरीदी हैं। इन मशीनों का उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से व्यापक फॉगिंग अभियान चलाने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर, राज्यपाल कटारिया ने कहा कि यह पहल बाढ़ प्रभावित गांवों में समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव विवेक प्रताप सिंह, सचिव रेड क्रास पंजाब शिवदुलार सिंह ढिल्लों एवं पंजाब रेड क्रास सोसायटी के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

राज्यपाल कटारिया ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 50 फॉगिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाई

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ (विज) : पंजाब के राज्यपाल और पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष, गुलाब चंद कटारिया ने वीरवार को पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ से राज्य के आठ बाढ़ प्रभावित जिलों में भेजने के लिए 50 फॉगिंग मशीनों से लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाई। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद, कई गांवों में पानी जमा है, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। किसी भी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए, पंजाब रेड क्रॉस ने प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए दान के माध्यम से 9 लाख की लागत वाली 50 फॉगिंग मशीनें खरीदी हैं। इन मशीनों का उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से व्यापक फॉगिंग अभियान चलाने के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर, राज्यपाल कटारिया ने कहा कि यह पहल बाढ़ प्रभावित गांवों में समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव विवेक प्रताप सिंह, सचिव रेड क्रॉस पंजाब शिवदुलार सिंह ढिल्लों तथा पंजाब रेड क्रॉस सोसायटी के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

पंजाब के राज्यपाल और पंजाब रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष गुलाब चंद कटारिया पंजाब राजभवन चंडीगढ़ से बाढ़ प्रभावित जिलों में भेजने के लिए 50 फॉगिंग मशीनों को रवाना करते हुए।

राज्यपाल ने बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 50 फॉगिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाई

चंडीगढ़, 18 सितम्बर (विशेष संवाददाता): राज्यपाल और रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष, गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन, चंडीगढ़ से राज्य के आठ बाढ़ प्रभावित जिलों में भेजने के लिए 50 फॉगिंग मशीनों से लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाई। बाढ़ का पानी कम होने के बावजूद, कई गांवों में पानी जमा है, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। किसी भी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए, रेडक्रॉस ने प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए दान के माध्यम से 9 लाख की लागत वाली 50 फॉगिंग मशीनें खरीदी हैं। इन मशीनों का उपयोग संवेदनशील क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से व्यापक फॉगिंग अभियान चलाने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल कटारिया ने कहा कि यह पहल बाढ़ प्रभावित गाँवों में समय पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया।

Guv flags off 50 fogging machines for flood-hit areas in Punjab

CHANDIGARH : Punjab governor and president of the Punjab Red Cross Society, Gulab Chand Kataria, on Thursday flagged off 50 fogging machines, costing ₹9 lakh, from Punjab Raj Bhavan, Chandigarh, to eight flood-affected districts of the state. With floodwaters receding, several villages continue to have stagnant water, raising threat of vector-borne diseases. **HTC**

Punjab Governor flags off 50 fogging machines for flood-hit districts

- PUNJAB RED CROSS INITIATIVE TO CHECK OUTBREAK OF DISEASES

A.S. PRASHAR
PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, September 18

Punjab Governor and President of the Punjab Red Cross Society, Gulab Chand Kataria, on Thursday flagged off vehicles carrying 50 fogging machines from Punjab Raj Bhavan, Chandigarh, for dispatch to eight flood-affected districts of the state.

With the floodwaters receding, several villages continue to have stagnant water, raising the threat of vector-borne diseases. To prevent any outbreak of epidemics, the Punjab Red Cross has procured 50 fogging machines costing ₹9 lakh, through donations, for use in the affected areas.

The machines will be deployed to carry out extensive fogging operations aimed at safeguarding public health in vulnerable regions.

On the occasion, Governor Kataria said the initiative would provide timely health protection in flood-hit villages and emphasized the importance of coordinated action in relief and rehabilitation measures.

Prominent among those present on the occasion included Principal Secretary to the Governor, Vivek Partap Singh, Secr etary, Red Cross Punjab, Shivdular Singh Dhillon and volunteers of the Punjab Red Cross Society.

“आपदा की घड़ी में पंजाब की सेवा भावना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।”

— राज्यपाल पंजाब गुलाब चंद कटारिया

पंजाब राजभवन
सेक्टर-6, चंडीगढ़, पिन कोड-160019

ईमेल पताः section.press@gmail.com

आप हमें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी फ़ॉलो कर सकते हैं

https://www.facebook.com/G.C.KatariaUDR/ https://www.instagram.com/gulabchand_kataria/

https://x.com/Gulab_kataria/